राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 10 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–230 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

डिलीवरी के 2 महीने बाद काम पर लौटीं इशिता

डिलीवरी के करीब 50 दिन बाद एक्ट्रेस इशिता दत्ता एक बार फिर काम पर वापस लौट आई हैं। इस बात की जानकारी इशिता ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए दी । दरअसल, इशिता ने 7 सितंबर को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो व्लॉग शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया है कि वह आज लंबे समय के बाद एक बार फिर सेट पर वापस लौट रही हैं। वीडियो में एक्ट्रेस ने बेटे वायु की झलक भी दिखाई। हालांकि, वीडियो में वायु का चेहरा नहीं दिख कहा है। चर्चित व्लॉग की शुरूआत इशिता के घर से होती है। एक्ट्रेस बताती हैं कि आज वह लंबे समय बाद एक बार फिर सेट पर जा रही हैं। इसके बाद वीडियो में इशिता वायु को गोद में लिए नजर आती हैं, वो कहती हैं कि वो शूटिंग के दौरान अपने बहुत मिस करेंगी। हालांकि, वह बताती हैं कि सेट की लोकेशन घर से काफी पास है, इसलिए वह आसानी से शूट पर जा सकीं। कुछ देर ट्रैवल करने के बाद इशिता सेट पर पहुंच जाती हैं। मेकअप और आउटफिट स्टाइल करने के बाद इशिता अपने सेट की झलक भी साझा करती हैं। एक्ट्रेस वहां मौजूद क्रू को भी इंट्रोड्यूज कराती हैं।

जी 20 के घोषणा पत्र पर सहमति बनी

पीएम मोदी ने नई दिल्ली डिक्लेरेशन पास किया; चार बार यूक्रेन जंग का जिक्र

नई दिल्ली । जारी जी 20 समिट के पहले दिन ही साझा घोषणा पत्र पर सहमति बन गई है। शनिवार को दूसरे सेशन की शुरूआत में प्रधानमंत्री मोदी ने बतौर अध्यक्ष यह जानकारी दी। उन्होंने सभी सदस्य देशों की सहमति से नई दिल्ली डिक्लेरेशन पाारित कर दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि सभी देशों ने नई दिल्ली के घोषणा पत्र को मंजूर किया है। वहीं, निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमें चुनौतिपूर्ण समय में अध्यक्षता मिली। घोषणा पत्र में यूक्रेन जंग का 4 बार जिक्र हुआ है। समिट के पहले सेशन में भारत ने अफ्रीकन यूनियन को ऋ20 का परमानेंट मेंबर बनाने का प्रस्ताव रखा था। बतौर अध्यक्ष सभी देशों की सहमति से ढट मोदी ने जैसे ही इसे पारित किया, अफ्रीकन यूनियन के हेड अजाली असोमानी जाकर ढट मोदी के गले लग गए। भारत के प्रस्ताव का चीन और यूरोपियन यूनियन ने भी समर्थन किया। यूनियन को मेंबरशिप मिलने से अफ्रीका के 55 देशों को फायदा होगा। सभी देश सस्टेनेबल डेवलेंपमेंट गोल पर काम करेंगे। भारत की पहल पर वन फ्यूचर एलायंस बनाया जाएगा। बायो फ्यूल एलायंस बनाया जाएगा। इसके फाउंडिंग मेंबर भारत, अमेरिका और ब्राजील होंगे। एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य पर जोर दिया जाएगा। मल्टीलेट्रल डेवलपमेंट बैंको को मजबूती दी जाएगी। उन्हें बेहतर, बड़ा और ज्यादा कारगर बनाया जाएगा। ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर जोर दिया जाएगा। क्रिप्टोकरेंसी को लेकर एक ग्लोबल पॉलिसी बनाने को लेकर बातचीत की जाएगी। कर्ज को लेकर बेहतर व्यवस्था बनाने को लेकर भारत ने कॉमन फ्रेमवर्क बनवाने की बात पर जोर दिया है। दुनिया में तेजी से विकास करने वाले शहरों को फंड किया जाएगा। ग्रीन और लॉ कार्बन एनर्जी टेक्नोलॉजी पर काम किया जाएगा। पीएम ने अपने उद्घाटन भाषण में मोरक्को भूकंप में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा दुख की घड़ी में हम मोरक्को के लोगों के साथ हैं और उनकी हरसंभव मदद करेंगे। ढट ने कहा कि कोरोना के बाद विश्व में विश्वास का संकट पैदा हो गया है।

गाजियाबाद में पत्नी की गला रेतकर हत्या

गाजियाबाद । शनिवार को एक युवक ने पत्नी की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी। इसके बाद वह मौके से भाग गया। महिला का शव कमरे में चारपाई पर पड़ा मिला। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। वारदात शालीमार गार्डन के गणेशपुरी ए-ब्लॉक में सुबह 11 से 12 बजे के बीच हुई है। हालांकि पुलिस को दोपहर करीब एक बजे इसकी सूचना मिली। 25 साल की पूनम अपने बच्चों के साथ शाहजहांपुर के गांव परौर में रहती थी। पति अजय और ससुर गाजियाबाद में किराए पर रहते थे। दोनों पाइप मार्केट में रिक्शा चलाने का काम करते थे। पूनम 7 सितंबर की रात ही तीन बच्चों को लेकर गाजियाबाद आई थी। सुबह करीब 11 बजे अजय ने तीनों बच्चों को अपने पिता के साथ मार्केट में टॉफी-बिस्किट खरीदने भेज दिया। अजय के पिता जब घर पर लौटे, तो बहू की लाश चारपाई पर पड़ी थी। गले पर धारदार हथियार से हमला करने का निशान था। अजय भी लापता था। एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया, "अभी हत्या की वजह साफ नहीं हो पाई है। जब से पूनम गाजियाबाद आई, तब से पति-पत्नी के बीच कोई झगड़ा भी नहीं हुआ है। यह बात अजय के पिता ने बताई है। फिलहाल हत्यारोपी पति को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिस मकान में ये वारदात हुई, उसमें फर्स्ट फ्लोर पर अजय और ग्राउंड फ्लोर पर उसके पिता

सभी 72 विभागों को 22 दिन में खर्च करने होंगे 15 हजार करोड़

सीएम जारी किए निर्देश

लखनऊ। विभागों की कंजूसी पर शासन ने चिंता जताई है। सभी विभागों को ज्यादा से ज्यादा खर्च करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें 22 दिन में 15 हजार करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्य दिया गया है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार ने शुक्रवार को सभी 72 विभागों को निर्देश जारी किए हैं। शासन का मानना है कि पूंजीगत खर्च से अवस्थापना व विकास का रास्ता खुलता है, जिससे रोजगार के अवसर पैदा होते हैं।

इस वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय के लिए लगभग 1.47 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। कोषागार से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त तक पूंजीगत व्यय पर सिर्फ 23,348 करोड़ खर्च किए गए हैं जो इस मद के बजट का सिर्फ 23 फीसदी है। इतने कम खर्च पर शासन ने चिंता जताई है। क्योंकि कम खर्च का असर केंद्र से मिलने वाली विशेष मदद पर पड़ेगा। पूंजीगत खर्च को बढ़ावा देने के लिए केंद्र ने राज्यों के लिए ये योजना जारी की है। इसके तहत 50 साल के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिया जाता है। इस योजना के तहत यूपी को 17,939 करोड़ आवंटित किए गए हैं। इसमें से 11660 करोड़ रुपये राज्य को मिल चुके हैं। अब शेष राशि प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार को सितंबर तक पूंजीगत व्यय के लिए निर्धारित बजट में से 37,415 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे जबकि खर्च हुए हैं 23,348 करोड़। अब केवल 22 दिन बचे हैं और सरकार को करीब 15 हजार करोड़ रुपये खर्च करने हैं। इसके बाद ही केंद्र सरकार शेष 6 हजार करोड़ रुपये राज्य सरकार को जारी करेगी। इसे देखते हुए वित्त मंत्री ने कड़े निर्देश दिए हैं कि सभी विभाग इस महीने आवंटित बजट का कम से कम 50 फीसदी हर हाल में खर्च करें।

घोसी उपचुनाव के बाद सपा के निशाने पर ओपी राजभर

कार्यालय के बाहर लगाया होर्डिंग

सभी दल सावधान
ओम प्रकाश राजभर
दगे हुए कारतूस है

मऊ। जिले की घोसी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सपा के उम्मीदवार सुधाकर सिंह ने भारी-भरकम जीत दर्ज करते हुए भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान को हरा दिया। चुनाव परिणाम आने के बाद सपा कार्यकर्ता उत्साहित हैं और ऐसा लग रहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उन्हें जरूरी आत्मविश्वास मिल गया है। अब वह खुलकर विपक्ष पर हमलावर हो रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे विपक्षी गठबंधन इंडिया की जीत करार दिया था। कहा था कि यही आने वाले लोकसभा चुनाव का भी परिणाम होगा। इसके साथ ही सपा नेतृत्व पर लगातार हमलावर रहने वाले सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर भी सपा कार्यकताओं के निशाने पर आ गए हैं। राजभर ने यूपी विधानसभा चुनाव सपा के साथ मिलकर लड़ा था हालांकि, भाजपा से उनकी नजदीकियां बढ़ने और उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधना शुरू कर दिया था। वह घोसी उपचुनाव में भाजपा की बड़ी जीत का दावा कर रहे थे। राजभर को लेकर लखनऊ में सपा कार्यालय के बाहर एक होर्डिंग लगाई गई है। जिसमें उन्हें दगा हुआ कारतूस बताया गया है। ऐसा लिखकर सभी राजनीतिक दलों के लिए चेतावनी भी दी गई है। सभी दल सावधान... ओम प्रकाश राजभर दगे हुए कारतूस हैं। बताया जा रहा है कि होर्डिंग सपा कार्यकर्ता आशुतोष सिंह द्वारा लगाई गई है। चुनाव परिणाम आने के बाद राजभर के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। राजभर एक बड़बोले नेता के रूप में जाने जाते हैं। यूपी विधानसभा चुनाव में वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तो कई आपित्तजनक बयान तक दे चुके हैं। उपचुनाव के पहले कयास लगाए जा रहे थे कि अगर इस सीट पर दारा सिंह चौहान की जीत होती है तो योगी सरकार में उन्हें मंत्री बनाया जा सकता है। राजभर के भी मंत्री बनाए जाने के कयास लगाए जा रहे थे। उपचुनाव परिणाम आने के बाद राजभर काफी निराश नजर आए और कहा कि चुनाव प्रबंधन में कहां कमी रही गई इसकी समीक्षा करेंगे। इस चुनाव परिणाम का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि जनादेश एनडीए के खिलाफ है।

अंबाला में फौजी की हत्या, कानपुर में अंतिम संस्कार

कानपुर। अंबाला में सेना के जवान की हत्या के बाद शनिवार सुबह उनका पार्थिव शरीर कानपुर देहात स्थित उसके घर पहुंचा। देवीपुर स्थित कैलई गांव में जैसे ही एम्बुलेंस दरवाजे पर पहुंची, सिसकियां चीखों में बदल गईं। जवान के अंतिम दर्शन के लिए पूरा गांव जुट गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। इकलौते बेटे की मौत से दुखी पिता अपनी पत्नी से बार बार बोल रहे हैं कि मिल लेओ अब लौट के न अइए बउआ, न देखे का मिलिए। उनकी बातों को सुनकर हर कोई रो पड़ा। पति का पार्थिव शरीर लेकर अपने ससुराल पहुंची पत्नी रागिनी घरवालों से मिलते ही बेहोश हो गईं। बार-बार वो कह रही हैं कि मेरे पति के हत्यारों को फांसी दी जाए। वहीं, बेसुध मां अपने बेटे को देखकर बार बार यही कह रही है कि हाय बउआ कहां चले गए, अब कबहूं न मीलियों का... एक बार तो आंखें खोलो। पवन का अंतिम संस्कार उनके गांव के बाहर किया गया। जवान को अंतिम सलामी देने के लिए कानपुर कैंट से कुमाऊं रेजिमेंट के जवान पहुंचे। अंतिम संस्कार के स्थान पर समाधि बनाने को लेकर ग्रामीण जमीन की मांग कर रहे हैं। प्रशासन ने जिस जगह पर अंतिम संस्कार करने को लेकर तैयारी की थी।

ट्रक ने दो मासूम बहनों को कुचला, मौत

झांसी । बेकाबू ट्रक ने पीछे से एक बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर सवार दो मासूम बहनें सड़क पर गिर गईं। ट्रक दोनों को कुचलता हुआ भाग गया, जबकि बाइक चला रहे बच्चियों के दादा गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। हादसा शुक्रवार रात को कानपुर बाइपास पर मैरी गांव के पास हुआ। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखवाया है। आज पोस्टमॉर्टम होगा। उन्नाव बालाजी के परासरी गांव निवासी काशीराम विश्वकर्मा की रिश्तेदारी पिछोर में है। यहां एक महिला की मौत हो गई थी। शुक्रवार को तेरहवीं थी। काशीराम अपने बड़े बेटे गजेंद्र की दो बेटियों सोनाक्षी (12) और परी (10) को लेकर तेरहवीं में पिछोर गए थे। बच्चियों के चाचा प्रदुम और फूफा राजा ने बताया कि खाना खाकर वे बाइक से वापस घर लौट रहे थे। शुक्रवार रात 9 बजे वे मैरी गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद काशीराम सड़क किनारे गिरे तो वे बच गए, जबकि दोनों बहनें सड़क पर गिरी। ट्रक उनको कुचलते हुए भाग निकला। काशीराम के साथ तेरहवीं में उसका भतीजा राजू और अन्य परिजन भी गए थे। वे दूसरी बाइक से पीछे

यूपी-एमपी समेत 18 राज्यों में भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली। देश में मानसून फिर लौट आया है। उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश से लेकर केरल-तमिलनाडु तक अच्छी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना है। हालांकि इस साल अगस्त में आए मानसूनी ब्रेक के चलते बारिश का कोटा पूरा होने की संभावना कम है। दरअसल, मानसून की विदाई में 21 दिन बचे हैं और देश में अभी भी औसत बरसात 11% कम हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, देश में 1 जून से 8 सितंबर के बीच 754.5 मिमी बारिश होती है, जबकि इसबार 675.2 मिमी बारिश ही हुई है। हिमाचल में सामान्य से 24% अधिक और केरल में सामान्य से 43% कम बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश में मानसून 10 दिन से कमजोर पड़ा हुआ है। अगले पांच-छह दिन भी बारिश के कम आसार है।क्व्टऊ के अनुसार हिमाचल में मानसून धीमा जरूर पड़ा है, लेकिन इसके जल्दी जाने की संभावना नहीं है। देश में सबसे पहले राजस्थान से ही मानसून विड्रॉ होना शुरू होता है। इसके एक हफ्ते बाद हिमाचल से भी मानसून विदा लेता है। हरियाणा में आज 5 जिलों में बारिश के आसार बने हुए हैं। इसको देखते हुए मौसम विभाग ने कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, पंचकूला, अंबाला, करनाल में येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की भी संभावना है। राज्य में बीते कई दिनों से मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई थी, लेकिन एक बार फिर से अब मौसम का मिजाज बदल गया है। रात को पानीपत समेत अन्य जगह बारिश भी हुई। वहीं मौसम विभाग के अनुसार राज्य में 13 सितंबर से एक बार फिर बारिश में तेजी आने की संभावना है। भोपाल समेत मध्यप्रदेश के 24 जिलों में शुक्रवार रात रुक-रुक कर बारिश होती रही। भोपाल में आज सुबह से बूंदाबांदी हो रही है। शनिवार को जबलपुर, उज्जैन, सागर, गुना, छिंदवाड़ा समेत 19 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। बाकी जिलों में भी हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन बाद बंगाल की खाड़ी से एक और सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इस वजह से प्रदेश में बारिश का दौर 10 से 12 दिन तक और बढ़ सकता है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि अभी छत्तीसगढ़ और ओडिशा के आसपास साइक्लोनिक सकुर्लेशन एक्टिव है। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में आज मौसम विभाग ने हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। खासकर सरगुजा और बिलासपुर संभाग के जिलों में रुक-रुक कर हल्की बारिश होती रहेगी। शनिवार को रायगढ़, बिलासपुर समेत 10 जिलों में कई जगहों पर बारिश हुई। आज भी प्रदेश में मौसम का हाल ऐसा ही रहेगा। मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी नहीं दी है। विशेषज्ञों के मुताबिक अन्य राज्यों के मुकाबले फिलहाल हल्की से मध्यम बारिश के ही आसार हैं।

संपादकीय

एलएसी को सुरक्षा कवच

अतीत के अनुभवों और चीन की हालिया साम्राज्यवादी नीतियों के मद्देनजर यह निष्कर्ष साफ है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगते इलाके में सुरक्षा की कोई भी चूक हमें भारी पड़ सकती है। पिछले दिनों दक्षिण अफ्रीका में संपन्न ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद आस जगी थी कि दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ कुछ कम होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शी जिनपिंग के दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन में न आने की घोषणा से साफ हो गया कि चीन के असली मंसूबे क्या हैं। बहरहाल, चीन की ये अविश्वसनीय नीतियां हमें सचेत रहने के सबक देती हैं। बहरहाल, कूटनीतिक संबंधों में गरमी-नरमी के बावजूद बीजिंग द्वारा एलएसी पर अपने इलाके में लगातार किये जा रहे संरचनात्मक निर्माण के मद्देनजर भारत ने भी अपनी सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के प्रयास तेज कर दिये हैं। इसी कड़ी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 12 सितंबर को वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर सीमा सड़क संगठन अर्थात बीआरओ द्वारा निर्मित 2941 करोड़ रुपये की लागत वाली 90 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसके अंतर्गत संवेदनशील इलाकों में सड़कें,पुल, सुरंग और हवाई क्षेत्र का निर्माण शामिल है। ये परियोजनाएं सीमावर्ती राज्यों व केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में स्थित हैं। सीमा सुरक्षा की प्राथमिकता के मद्देनजर बीते साल भी राजग सरकार के दौरान 2897 करोड़ रुपये की लागत वाली बीआरओ बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गई थीं। यहां उल्लेखनीय है कि युद्धकाल में इस दुर्गम क्षेत्र में वायु सेना की सक्रियता की जरूरत के मद्देनजर हवाई पट्टी की उपलब्धता अपरिहार्य है। इसके चलते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस क्षेत्र में एक हवाई पट्टी की आधारशिला भी रखेंगे। उल्लेखनीय है कि बीआरओ द्वारा पूर्वी लद्दाख के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण न्योमा क्षेत्र में 218 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से इस हवाई पट्टी का निर्माण किया जायेगा। जो इस संवेदनशील इलाके की सुरक्षा तैयारियों की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। निस्संदेह, लद्दाख के इस क्षेत्र में हवाई ताकत विस्तार के लिये बुनियादी ढांचे में वृद्धि की सख्त जरूरत है। भारत-चीन के बीच हाल के वर्षों में एलएसी पर हुए टकराव के मद्देनजर उत्तरी सीमा पर भारतीय वायु सेना को शक्तिशाली बनाना बेहद जरूरी है। जिससे वायुसेना तत्परता से युद्ध के दौरान अपनी भूमिका निभा सकेगी। अतीत के अनुभव बताते हैं कि वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध व कारगिल युद्ध में पाक के खिलाफ समय रहते वायुसेना की ताकत का उपयोग किया जाता तो युद्ध की तस्वीर कुछ और होती। निस्संदेह, हवाई ताकत में विस्तार में किसी भी तरह की देरी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के लिये हानिकारक साबित हो सकती है। चिंताजनक तथ्य यह भी कि अरुणाचल प्रदेश में रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण सेला सुरंग का निर्माण कार्य विभिन्न कारणों से समय पर पूरा नहीं हो पाया है। उल्लेखनीय है, सेला सुरंग अग्रिम मोर्चों पर सैनिकों को पहुंचाने और हथियारों की तेजी से आपूर्ति में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ऐसे में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को समय रहते पूरा कर लिया जाना चाहिए। दरअसल, यह सुरंग विकट मौसम में भी सेना को हथियार-रसद आपूर्ति में लाभदायक सिद्ध होगी। उधर बीआरओ के शीर्ष अधिकारी स्वीकार रहे हैं कि सीमा पर बुनियादी ढांचे को विस्तार देने में भारत चीन से पीछे है।

आज का राशीफल

मेष	व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
वृषभ	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कर्क	आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
कन्या	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
तुला	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।
वृश्चिक	आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
धनु	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।
मकर	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।
कुम्भ	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

> यदि आत्महत्या के बारे में सोचने वाला व्यक्ति किसी बीमारी से जूझ रहा है तो उसे इलाज कराने के लिए प्रोत्साहित करें। यदि उस व्यक्ति को कोई शारीरिक बीमारी नहीं बल्कि मानसिक रोग है तो उसे किसी अच्छे मनोवैज्ञानिक या काउंसलर से मिलने के लिए प्रोत्साहित करें। यदि ऐसा व्यक्ति किसी डॉक्टर या एक्सपर्ट से नहीं मिलना चाहता है तो उसे किसी सपोर्ट ग्रुप, किसी भरोसेमंद कम्युनिटी या एनजीओ से संपर्क कराने में मदद करें।

मनुष्य मन, बुद्धि के कारण अपने आपको श्रेष्ठ मानता हैं। आज मनुष्य धर्म या मूल आदर्शों को भूलकर भौतिकवादी बनने के कारण अत्यंत सम्पन्न होने के कारण हताशा का सामना कर रहा हैं और कोई आभाव के कारण दुखी रहता हैं। जबकि इस क्षण भंगुर संसार में कोई स्थायी नहीं हैं और न कोई अपने साथ धन सम्पत्ति ले जा सकता हैं, जीवन में उतार चढ़ाव अनिवार्यता हैं, और इसी क्षण हमें अपने आपको संतुलित रखकर या रहकर प्रतिकूल समय को ईश्वर के सम्मुख समर्पित कर आत्मबल बढ़ाना चाहिए। आत्महत्या कायरों का काम होता हैं।

मन के हारे, हार हैं, मन के जीते, जीत

भारत समेत पूरी दुनिया में आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं एनसीआरबी की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पिछले साल डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों ने आत्महत्या की है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में 700000 लोग सुसाइड (आत्महत्या) करते हैं। आत्महत्या तब मानी जाती है, जब कोई व्यक्ति अपना जीवन समाप्त करने के उद्देश्य खुद को नुकसान पहुंचाता है और परिणाम स्वरूप उस व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। जबकि आत्महत्या का प्रयास ऐसा कृत्य है, जिसमें व्यक्ति खुद का जीवन समाप्त करने के उद्देश्य कोई गलत कदम उठाता है मगर सहयोग से उसकी मृत्यु नहीं होती है।

अगर भारत में आत्महत्या के आंकड़ों की बात करें तो वह काफी डरावने हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 में कुल 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की। एनसीआरबी ने आत्महत्या को अलग-अलग वर्गों में विभाजित कर यह दिखाने की कोशिश की है कि देश में किस वर्ग के लोग ज्यादा आत्महत्या कर रहे हैं। इनमें दिहाड़ी मजदूर, घरेलू महिलाएं, बेरोजगार, छात्र और किसान समेत अलग-अलग वर्ग के लोगों ने किसी न किसी कारण से आत्महत्या की।

आत्महत्या के आंकड़े साल दर साल बढ़ते ही जा रहे हैं। ऐसे में आत्महत्या के कारणों के समझना बहुत जरूरी है। साथ ही हमें यह भी देखना होगा कि आत्महत्या के आंकड़ों को कैसे कम किया जा सकता है?

जब व्यक्ति आत्महत्या करने के बारे में सोचता है तो उसे मुक्ति पाने का यही एक आखिरी विकल्प दिखता है. किसी की जिंदगी बचाना सबसे बड़ा कर्म होता है.

व्यक्तिगत और व्यवसायिक जीवन की उठापटक में इंसान खुद को ढालने की कोशिश तो करता है लेकिन जब उसे लगता है कि अब चीजें उसके हाथ से जा रही हैं तो वह धीरे-धीरे मानसिक रोगों की ओर बढ़ता जाता है। जब व्यक्ति अपने दिमाग में कुछ चीजों या किसी विषय पर सोचता रहता है और किसी से उस बारे में जिक्र नहीं करता तो वह सबसे पहले एंग्जाइटी का शिकार होता है जो उसे आगे चलकर डिप्रेशन का शिकार बना देती है। जब व्यक्ति पूरी तरह से डिप्रेशन में चला जाता है तो उसके सोचने-समझने का तरीका बहुत अलग हो जाता है। वह जहां खुद को पूरी तरह से अकेला, असहाय और कमजोर समझने लगता है वहीं उसके दिमाग में आत्महत्या के ख्याल भी आने लगते हैं। जब व्यक्ति आत्महत्या करने के बारे में सोचता है तो उसे मुक्ति पाने का यही एक आखिरी विकल्प दिखता है। इसलिए कहते हैं कि कभी भी अंदर ही अंदर घुटने के बजाय किसी भरोसेमंद व्यक्ति, दोस्त या काउंसलर से खुलकर बात करनी चाहिए। किसी की जिंदगी बचाना सबसे बड़ा कर्म होता है।

विश्व
आत्महत्या
रोकथाम
दिवस

कुछ प्रमुख कारण

कुछ मानसिक रोग जैसे- अवसाद बाइपोलर डिसऑर्डर सिजोफ्रेनिया आदि मूड डिसऑर्डर शामिल है।

मादक द्रव्यों का अत्यधिक सेवन

आत्महत्या का पारिवारिक इतिहास

रिश्तों में कड़वाहट

नौकरी का छूटना

आत्मसम्मान को ठेस पहुंचना

असहनीय भावनात्मक या शारीरिक पीड़ा

बचाव करना अतिआवश्यक हैं ----

इलाज के लिए प्रोत्साहित करें

यदि आत्महत्या के बारे में सोचने वाला व्यक्ति किसी बीमारी से जूझ रहा है तो उसे इलाज कराने के लिए प्रोत्साहित करें। यदि उस व्यक्ति को कोई शारीरिक बीमारी नहीं बल्कि मानसिक रोग है तो उसे किसी अच्छे मनोवैज्ञानिक या काउंसलर से मिलने के लिए प्रोत्साहित करें। यदि ऐसा व्यक्ति किसी डॉक्टर या एक्सपर्ट से नहीं मिलना चाहता है तो उसे किसी सपोर्ट ग्रुप, किसी भरोसेमंद कम्युनिटी या एनजीओ से संपर्क कराने में मदद करें।

उसकी समस्या का बहुत छोटा दिखाएं

यदि आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति बात करने के लिए आया है जो आत्महत्या के बारे में सोच रहा है या सोच सकता है तो उसे एकदम नॉर्मल सामान्य और आरामदायक स्थिति में लाये. उसे इस बात का एहसास कराएं कि जिस चीज को लेकर वह आत्महत्या जैसा विचार अपने अंदर ला रहा है वह असल में बहुत छोटी बात है। ऐसे व्यक्ति को अपनी या किसी और की जिंदगी के ऐसे अनुभव बताएं जिससे उसे प्रेरणा मिले और यह एहसास हो कि उसकी समस्या वाकई बहुत छोटी है और यह जिंदगी में चलता रहता है।

उसे एहसास कराएं कि आप उसके साथ हैं

इंसान आत्महत्या जैसी चीज के बारे में तभी सोचता है जब उसे लगने लगता है कि वह जिंदगी में पूरी तरह से अकेला पड़ गया है और कोई उसके साथ नहीं है। ऐसे लोगों को अपने अंदर हजार तरह की कमियां और बुराईयां दिखने लगती हैं। यदि आप किसी ऐसे इंसान से टकराते हैं तो उसे यह एहसास दिलाएं कि आप हर घड़ी में उसके साथ हैं। उसे दिन या रात कभी भी जरूरत पड़ी तो आप उसके एक बार कहने पर हाजिर हो जाएंगे। इससे उस व्यक्ति को यह लगेगा कि अभी उसकी जिंदगी में लोगों का साथ और प्यार है। अभी भी ऐसे लोग हैं जिन्हें उसकी फिक्र है। यकीन मानिए आपके कुछ शब्द या वाकया किसी की जिंदगी बचा सकते हैं।

चिन्हित होने पर उसे अकेला न छोड़े और पीड़ित व्यक्ति कुछ रचनात्मक कार्यों में अपना समय बिताये और हमेशा सकारात्मक, रचनात्मक, ऊर्जावान बातों पर अपना ध्यान केंद्रित करे। ज़िंदगी जिंदादिली का नाम हैं, मुर्दा दिल ख़ाक जिया करते हैं।

विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस

(लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

> वर्ल्ड फर्स्ट एड डे हर साल मनाया जाता है, सितंबर माह के दूसरे शनिवार को मनाया जाता है। इस वर्ष 10 सितंबर को वर्ल्ड फर्स्ट एड डे मनाया जायेगा। इस दिन को मनाने की शुरूआत इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस एंड रेट क्रिसेंट सोसाइटी ने 2000 में की थी। इसके बाद से हर साल यह दिवस मनाया जा रहा है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है लोगों को अधिक से अधिक प्राथमिक चिकित्सा के बारे में जागरूक करना।

हर साल विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस किसी विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस 2023 की थीम डिजिटल दुनिया में प्राथमिक चिकित्सा है। यह थीम प्राथमिक चिकित्सा ज्ञान को सभी के लिए सुलभ बनाने के हमारे लक्ष्य तक पहुंचने के लिए डिजिटल नवाचारों से संबंधित है।लोगों को अधिक से अधिक प्राथमिक चिकित्सा के बारे में जागरूक होना चाहिए

बच्चों से लेकर बड़ों को प्राथमिक उपचार के प्रति जागरूक होना चाहिए। समय के साथ सेहत के लिए जरूरी इन चीजों को लोग भूल जाते हैं। लेकिन लोगों को इसके बारे में जानने की जरूरत है ताकि प्राथमिक उपचार के माध्यम से दुर्घटना आदि की स्थिति में घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सके। इसलिए प्राथमिक उपचार के बारे में जानना सभी के लिए बहुत जरूरी है।

किसी रोग के होने या चोट लगने पर किसी अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा जो सीमित उपचार किया जाता है उसे प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं। इसका उद्देश्य कम से कम साधनों में इतनी व्यवस्था करना होता है कि चोट लगे व्यक्ति को समय पर इलाज कराने की स्थिति में लाने में लगने वाले समय में कम से कम नुकसान हो।

वर्ल्ड फर्स्ट एड डे हर साल मनाया जाता है, सितंबर माह के दूसरे शनिवार को मनाया जाता है। इस वर्ष 10 सितंबर को वर्ल्ड फर्स्ट एड डे मनाया जायेगा। इस दिन को मनाने की शुरूआत इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस एंड रेट क्रिसेंट सोसाइटी ने 2000 में की थी। इसके बाद से हर साल यह दिवस मनाया जा रहा है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है लोगों को अधिक से अधिक प्राथमिक चिकित्सा के बारे में जागरूक करना। ताकि आए दिन होने वाले हादसे, सड़क दुर्घटना या अन्य हादसे में गंभीर चोट लगने, अधिक खून बहने पर लोगों की मदद की जा सकें।

घर और गाड़ी में अपने साथ हमेशा प्राथमिक उपचार किट रखें। डूबने, जलने, हृदयघात, सड़क दुर्घटना और आत्मघात में प्राथमिक उपचार से जान बचाई जा सकती है। घायल इंसान को तुरंत उपचार मिलना चाहिए। प्राथमिक उपचार कोई भी कर सकता है इसके लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं।

किसी रोग के होने या चोट लगने पर किसी अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा जो सीमित उपचार किया जाता है उसे प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं। इसका उद्देश्य कम से कम साधनों में इतनी व्यवस्था करना होता है कि चोट लगे व्यक्ति को समय पर इलाज कराने की स्थिति में लाने में लगने वाले समय में कम से कम नुकसान हो। प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षित या अप्रशिक्षित व्यक्तिओं द्वारा कम से कम साधनों में किया गया सरल उपचार है।

कभी-कभी यह जीवन रक्षक भी सिद्ध होता है।

फर्स्ट एड बॉक्स में क्या-क्या होना चाहिए

दर्द निवारक दवाएं इसके अलावा डिस्पोजेबल ग्लव्ज, पॉकेट मास्क, प्लास्टिक की चिमटी, एंटीसेप्टिक वाइप्स, थर्मामीटर व हाथ धोने का साबुन भी इस किट में रख सकते हैं। इसके साथ खून पतला करने की दवा भी होना चाहिए ताकि हृदयघात की स्थिति में व्यक्ति को दी जा सकें।

प्राथमिक चिकित्सा के नियम

- अगर आपका कोई घर का व्यक्ति दुर्घनाग्रस्त हो जाए तो बिना वक़्त बर्बाद करें दुर्घटना स्थल पर पहुचें।
- दुर्घटना के समय यह कैसे हुआ ? कहाँ जा रहे थे ? किसने किया? जैसे फालतू सवाल न पूछें। पहले उसके इलाज की व्यवस्था करें।
- आपका यह पता लगाना जरूरी है कि चोट कहां और किस वस्तु से लगी है।
- उस क्रम में कार्डियक फंक्शन को ठीक करना, सांस लेने में मदद करना, चोट लगने की जगह से खून बहना बंद करें. यह सभी कार्य किसी व्यक्ति की जान बचाने में बहुत मददगार साबित होते हैं।
- एम्बुलेंस बुलाएं या डॉक्टर को ही घटनास्थल पर लाएं।

विचार मंथन

यूक्रेन को छोड़कर जी-20 के सभी प्रस्ताव पर ईयू का समर्थन

(लेखक- सनत जैन)

रविवार से जी-20 शिखर सम्मेलन की शुरुआत हो चुकी है। साझा घोषणा पत्र जारी करने पर आम सहमति बनाने का प्रयास अध्यक्ष के रूप में भारत द्वारा किया जा रहा है।इस मामले में यूरोपियन यूनियन का कहना है, कि यूक्रेन को छोड़कर वह सभी मामले में जो प्रस्ताव जी-20 की बैठक में प्रस्तुत किए जाएंगे। उनका वह समर्थन करेंगे। शनिवार से विदेशी मेहमानों का नई दिल्ली आना आना शुरू हो गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति जो वाईडेन भारत पहुंच चुके हैं। इसके साथ ही तुरकियों के राष्ट्रपति, ओमान के उप प्रधानमंत्री, कनाडा के प्रधानमंत्री,इटली की प्रधानमंत्री, अफ्रीका के राष्ट्रपति, चीन के प्रधानमंत्री और रूस के विदेश मंत्री जी-20 के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंच चुके हैं।रूस के राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नहीं आने से जी-20 के शिखर सम्मेलन में अमेरिका और यूरोपीय यूनियन का दबदबा बना रहेगा।इस आशय के संकेत यूरोपियन यूनियन ने जी-20 बैठक का जो एजेंडा तैयार किया जा रहा है। उसे पर अपनी प्रक्रिया व्यक्त कर दी है।यूक्रेन मुद्दे पर यूरोपियन यूनियन और अमेरिका अपने रुख पर कायम है। जिसके कारण शिखर सम्मेलन में रूस और चीन के साथ जी-20 के शिखर सम्मेलन में समन्वय को लेकर कोई बात होना संभव नहीं है।अमेरिका और यूरोपीय देशों चीन तथा रूस के बीच में आम सहमति बनाकर साझा घोषणा पत्र जारी हो इसके लिए भारत निरंतर।इसके लिए प्रयासरत है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध की निंदा करने के प्रस्ताव को लेकर भी तल्खी बनी हुई है। रूस और चीन, यूक्रेन के मुद्दे को शामिल करने के पक्ष में नहीं है। वहीं यूरोपीय यूनियन के सभी देश इस मामले पर। अड़े हुए हैं। जी 20 के शिखर सम्मेलन में अमेरिका और यूरोपीय यूनियन ने प्रधानमंत्री मोदी पर दबाव बनाया है। रूस और यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर। जी 20 के शिखर सम्मेलन में चर्चा की जाए और इसमें साझा प्रस्ताव जारी किया जाए।चीन और रूस लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। जी 20 के शिखर सम्मेलन पर एक पृथ्वी एक परिवार के मुख्य मुद्दे को आधार बनाकर सभी देश के बीच आपसी समन्वय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर पूरे विश्व की जो चिंता है उनका हल निकालने के लिए प्रस्ताव पर चर्चा कर आम सहमति बनाकर निर्णय लिए जाने थे उन पर निर्णय लिए जाने थे। जी-20 के शिखर सम्मेलन में रूस, चीन और अमेरिका के बीच जो तल्खी।देखने को मिल रही है। उसके कारण जी-20 के शिखर सम्मेलन में जिस तरह की आशा की जा रही थी।उसमें यह तीनों महाशक्ति चीन-रूस और अमेरिका के भंवर जाल में भारत भी फसता हुआ दिख रहा है।एक तरह से अमेरिका ओर यूरोपीय देशों का दबाव भारत में देखने को मिल रहा है। चीन और रूस के राष्ट्रपति शिखर सम्मेलन में नहीं आ रहे हैं।भारत के प्रधानमंत्री और जी-20 के शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वह ताकत नहीं मिल पा रही है। जो इस सम्मेलन के लिए उन्हें मिलने थी। फिर भी जिस तरह से भारत जी-20 के शिखर सम्मेलन में सभी देशों के बीच में समन्वय बनाने की जो कोशिश भारत द्वारा की जा रही है। उसकी प्रशंसा ही की जा सकती है। जी-20 के शिखर सम्मेलन को लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जिस तरह के हालात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने हुए हैं। उसको देखते हुए यह शिखर सम्मेलन बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। भारत की भूमिका को लेकर सभी आसान्वित है।

G20
2023 INDIA

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनएसई डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस वायदा पर विकल्प पेश करेगा

नई दिल्ली । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने कहा कि वह अपने जिंस डेरिवेटिव खंड में एनवाईएमईएक्स डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस वायदा अनुबंध से जुड़े विकल्प पेश करेगा। एक्सचेंज ने इन अनुबंधों को पेश करने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी ले ली है। एनएसई ने कहा कि वायदा अनुबंधों पर विकल्प जोड़ने से समग्र जिंस खंड में एनएसई की उत्पाद पेशकश को बढ़ावा मिलेगा। ये अनुबंध बाजार सहभागियों को अपने जिंस जोखिम को प्रबंधित करने का अधिक कुशल तरीका प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं। एनएसई के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा कि बाजार सहभागियों को यह बताते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है कि एनएसई अक्टूबर 2023 में एनवाईएमईएक्स डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस वायदा अनुबंध पर विकल्प पेश करने की योजना बना रहा है। एनएसई ने इसके पहले मई में अपने जिंस डेरिवेटिव खंड में रुपए-मूल्यवर्ग वाले एनवाईएमईएक्स डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल तथा प्राकृतिक गैस वायदा अनुबंध पेश किए थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा की 6,000 एटीएम पर यूपीआई सुविधा शुरू

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने देशभर में अपने लगभग 6,000 एटीएम पर यूपीआई एटीएम सुविधा शुरू कर दी है। बीओबी की ओर से जारी बयान के अनुसार वह भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के समन्वय से एनसीआर कॉरपोरेशन द्वारा संचालित यूपीआई एटीएम शुरू करने वाला देश का पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है। बैंक ने कहा कि उनके व अन्य बैंकों के ग्राहक यूपीआई-सक्षम मोबाइल ऐप के जरिए अपने डेबिट कार्ड का उपयोग किए बिना बैंक ऑफ बड़ौदा यूपीआई एटीएम से नकदी निकाल सकते हैं। बयान के अनुसार इंटरऑपरेबल कार्डलेस कैश विड्रॉल (आईसीसीडब्ल्यू) तकनीक के जरिए यूपीआई एटीएम क्यूआर-आधारित निर्बाध नकदी निकासी संभव बनाता है, जिससे नकदी निकालने के लिए कार्ड की जरूरत नहीं होती है। यूपीआई एटीएम सुविधा का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इससे ग्राहक यूपीआई से जुड़े विभिन्न खातों से नकदी निकाल सकते हैं।

आयकर अधिकारी स्टार्टअप निवेशकों से मांग सकते हैं ITR की जानकारी

नई दिल्ली: आयकर अधिकारी स्टार्टअप निवेशकों द्वारा दाखिल किए गए आईटीआर के बारे में विवरण मांग सकते हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि निवेश की गई राशि उनके व्यक्तिगत आईटीआर में दिखाई गई आय के अनुरूप है या नहीं। आयकर विभाग ने यह जानकारी दी। सोशल नेटवर्किंग मंच एक्स पर शुक्रवार को भारतपे के सह-संस्थापक अश्नीर ग्रोवर की एक पोस्ट का जवाब देते हुए आयकर विभाग ने कहा कि वित्त अधिनियम 2012 में कहा गया है कि किसी निवेशक को स्टार्टअप में निवासी शेयरधारक से धन के स्रोत के बारे में भी बताना होगा। ग्रोवर ने यह मुद्दा उठाया था कि 'पिछले एक महीने में कई स्टार्टअप को टैक्स नोटिस मिले हैं, जिसमें उनके शेयरधारकों के बारे में जानकारी देने को कहा गया है।' आयकर विभाग ने कहा, 'इस मामले में, प्रतीत होता है कि विभाग ने शेयरधारक-निवेशक द्वारा लेनदेन की वास्तविकता और निवेश के स्रोत की जांच करने की मांग की है, ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि निवेश की गई राशि निवेशकों के आईटीआर में दिखाई गई आय के अनुरूप है या नहीं।'

अडानी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 11 लाख करोड़ से अधिक हुआ

- पिछले तीन महीनों में समूह के बाजार पूंजीकरण में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई

नई दिल्ली ।

अडानी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। विशेषज्ञों ने कहा` कि यह एक संकेत है कि मौजूदा कीमतें सभी नकारात्मक कारकों में शामिल हैं और बाजार सभी वृद्धिशील आरोपों को नजरअंदाज कर रहा है। समूह के साथ-साथ उसके निवेशकों के लिए, इसका मतलब यह हो सकता है कि सबसे बुरा समय ख़त्म हो गया है। पिछले तीन महीनों में समूह के बाजार पूंजीकरण में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इस रैली का नेतृत्व समूह के चार प्रमुख शेयरों- अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स, अडानी पावर और अडानी ग्रीन एनर्जी द्वारा किया जा रहा है। चारों कंपनियों के शेयर अपने न्यूनतम स्तर से दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं। जबकि प्रमुख कंपनी एईएल का स्टॉक अपने निचले स्तर (150 प्रतिशत तक) से सबसे अधिक बढ़ गया है, इनक्यूबेटर एईएल से अलग होने वाली समूह की दो सबसे पुरानी कंपनियों, अडानी पोर्ट्स और अदानी पावर, प्री-हिंडनबर्ग स्तर पर हैं। अदानी पोर्ट्स विश्ले लेषकों द्वारा समूह में सबसे व्यापक रूप से ट्रैक की जाने वाली कंपनी है और समूह के सभी शेयरों के बीच संस्थागत निवेशकों द्वारा सबसे व्यापक स्वामित्व वाली कंपनी है। लेकिन दावों के बावजूद, जिसमें इसके निवर्तमान लेखा परीक्षकों के दावे भी शामिल हैं, विश्ले लेषकों और निवेशक दोनों ही स्टॉक पर सकारात्मक बने हुए हैं।

गोल्डमैन सैक्स, जेफ़रीज़, बर्नस्टीन, कोटक और आईसीआईसीआई की इक्विटी अनुसंधान शाखाओं ने भारत की सबसे बड़ी बंदरगाह परिचालन कंपनी के स्टॉक पर खरीदारी बनाए रखी है। समूह पर करीब से नजर रखने वाले बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि समूह के शेयरों के इतने मजबूत प्रदर्शन के दो मुख्य कारण हैं। समूह ने प्रदर्शित किया है कि उसके व्यवसाय सभी शोर से अप्रभावित हैं। वित्तवर्ष 24 की जून तिमाही में जो शॉर्ट-सेलर

रिपोर्ट के बाद पहली तिमाही भी थी, समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के पोर्टफोलियो ने प्रत्येक व्यवसाय के साथ मजबूत विकास प्रदान करते हुए एक मजबूत प्रदर्शन दिया। सभी सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त ऐ बि डिटा साल-दर-साल 42 फीसदी बढ़ा। साथ ही इसकी बैलेंस-शीट लगातार मजबूत होती रही। ऐ बि डिटा का शुद्ध ऋण अब तीन गुना के करीब है और नकद शेष 42,500 करोड़ रुपए के उच्च स्तर पर है। सभी वित्तीय संस्थानों, इक्विटी के साथ-साथ ऋण निवेशकों और रेटिंग एजेंसियों, विदेशी और घरेलू, ने समूह और उसके व्यवसायों का निरंतर समर्थन किया है।

स्वर्ण बॉन्ड का निर्गम मूल्य 5,923 रुपए प्रति ग्राम तय

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि सरकारी स्वर्ण बॉन्ड (एसजीबी) की अगली किस्त के लिए 5,923 रुपए प्रति ग्राम का निर्गम मूल्य तय कर दिया गया है। आरबीआई ने कहा कि इस स्वर्ण बॉन्ड की बिक्री 11 सितंबर से शुरू हो जाएगी। यह चालू वित्त वर्ष के लिए एसजीबी की दूसरी किस्त होगी। एसजीबी का मूल्य 999 शुद्धता वाले सोने के बंद भाव के साधारण औसत के आधार पर 5,923 रुपए प्रति ग्राम बनता है। सरकार ने आरबीआई से विमर्श करने के बाद ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल माध्यम से आवेदन कर भुगतान करने वाले निवेशकों को अंकित मूल्य से 50 रुपए प्रति ग्राम की छूट देने का निर्णय लिया है। बयान के अनुसार ऐसे निवेशकों के लिए स्वर्ण बॉन्ड का निर्गम मूल्य 5,873 रुपए प्रति ग्राम रखा गया है। निर्गम 11 से 15 सितंबर तक खुला रहेगा। बॉन्ड की बिक्री बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, निर्दिष्ट डाकघरों और मान्य शेयर बाजारों बीएसई एवं एनएसई के जरिये की जाएगी। परंपरागत सोने की मांग कम करने और घरेलू बचत के एक हिस्से के तौर पर स्वर्ण बॉन्ड की बिक्री सबसे पहले नवंबर, 2015 में शुरू की गई थी। इस बॉन्ड को एक ग्राम की बुनियादी इकाई के गुणकों में अंकित किया जाता है। स्वर्ण बॉन्ड की परिपक्वता अवधि आठ साल की होगी लेकिन पांच साल पूरा होने पर इससे निकलने का विकल्प होगा। इस योजना के तहत न्यूनतम एक ग्राम सोने में निवेश किया जा सकता है जबकि अधिकतम सीमा चार किलोग्राम तक की है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में रही तेजी

मुंबई ।

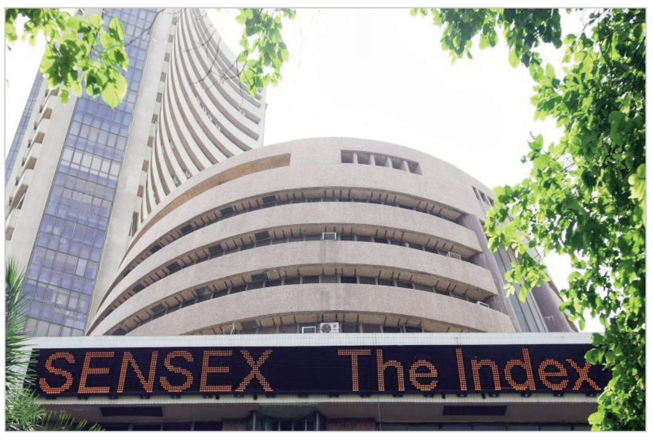

एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त का सिलसिला जारी रहा। कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी स्थानीय बाजार को समर्थन मिला। बीते सप्ताह भर शेयर बाजार में तेजी का रुख रहा। पिछले सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ खुले। सोमवार को सेंसेक्स 200 अंकों की बढ़त के साथ 65,600 पर खुला और 240.98 अंक चढ़कर 65,628.14 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 77 अंक मजबूत होकर 19500 पर खुला और 93.50 अंक बढ़कर 19,528.80 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 74 अंक बढ़कर 65,702 पर खुला और 152.12 अंक की तेजी के साथ 65,780.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 23 अंकों की मजबूती के साथ 19551 पर खुला और 46.10 अंक की बढ़त के साथ 19,574.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 54.64 अंकों की मजबूती के साथ 65,834.90 पर खुला और 100 अंकों की तेजी के साथ 65,880 पर बंद हुआ। निफ्टी 16.55 अंक चढ़कर 19,591.45 पर खुला और 36 अंकों की तेजी के साथ 19,611 पर बंद हुआ।

गुरुवार को सेंसेक्स 150 अंक की गिरावट के साथ 65,729 पर खुला और 385.04 मजबूत होकर 66,265.56 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 अंकों की गिरावट के साथ 19,560 पर खुला और 116.00 अंक चढ़कर 19,727.05 के स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में पॉजिटिव शुरुआत हुई। सेंसेक्स 154 अंक बढ़कर 66,420 पर खुला और 333 अंकों की बढ़त के साथ 66,598.91 पर बंद हुआ। निफ्टी 37 अंकों की तेजी के साथ 19,764 पर खुला और 93 अंक चढ़कर 19,819.95 पर बंद हुआ।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में संभावना तलाश रही आरआईएल

- विदेशी चिपमेकर्स से कर रही बातचीत

मुंबई ।

देश के प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उतरने की संभावना तलाश रही है। रिलायंस के कदम से भारत में चिप की बढ़ती मांग और सप्लाई चेन की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। कंपनी की योजना से वाकिफ दो लोगों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि दूरसंचार से लेकर ऊर्जा कारोबार से जुड़ी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सरकार की पहल से प्रेरित होकर ऐसे विदेशी चिप मैन्युफैक्टरिंग के साथ शुरुआती दौर की बातचीत शुरू कर दी है, जिनमें तकनीकी भागीदार बनने की क्षमता है। हालांकि कंपनी ने इसके लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है। उक्त शख्स ने कहा कि रिलायंस ने अभी यह निर्णय नहीं किया है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश किया जाए या नहीं। कंपनी जिन विदेशी चिप मैन्युफैक्चरर्स के साथ बात कर रही है उसके नाम का भी खुलासा नहीं हो पाया है।

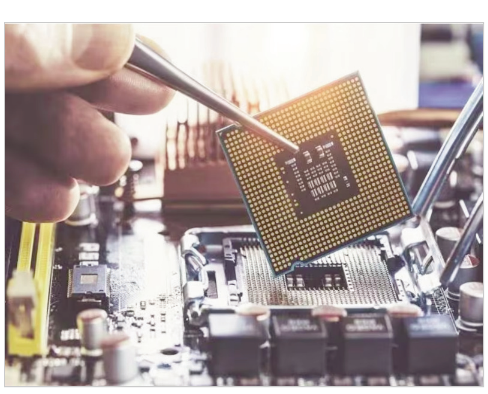

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दिलचस्पी के बारे में पूछे जाने पर रिलायंस की ओर से भी कोई जवाब नहीं आया। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि वह चाहते हैं कि भारत दुनिया के लिए चिप विनिर्माण का केंद्र बने। उन्होंने 2021 में पहली बार इस महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य का खाका पेश किया था लेकिन अभी तक देश में एक भी चिप मैन्युफैक्चरिंग प्लांट नहीं लग पाया है। हालांकि वेदांत और ताइवान की फॉक्सकॉन दोनों चिप मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने की संभावना तलाश रही है। सूत्रों ने कहा कि रिलायंस चिप की किल्लत को दूर करने के लिए भी सेमीकंडक्टर क्षेत्र में उतरना चाहती है क्योंकि चिप की कमी उसके दूरसंचार और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के कारोबार को प्रभावित कर सकती है।

OECD ने रियल एस्टेट का स्वामित्व दर्ज करने के लिए डिजिटल रजिस्टर का सुझाव दिया

नई दिल्ली: अघोषित संपत्तियों को छिपाने के लिए उनका विदेशी रियल एस्टेट में निवेश किए जाने की चिंताओं के बीच ओईसीडी ने देशों के बीच सूचनाओं के स्वचालित आदान-प्रदान का सुझाव दिया है। जी20 शिखर सम्मेलन से पहले पेरिस स्थित आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) ने 'रियल एस्टेट पर अंतरराष्ट्रीय कर पारदर्शिता बढ़ाना' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि इसके लिए डिजिटल स्वामित्व रजिस्टर बनाना चाहिए, जो प्रासंगिक सरकारी एजेंसियों को सीधे उपलब्ध हो। गौरतलब है कि पिछले दशक में विदेशी स्वामित्व वाली रियल एस्टेट संपत्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कर अनुपालन से बचने के लिए बहुत सारे फंड को विदेशी संपत्ति खरीदने के लिए स्थानांतरित कर दिया गया है। ओईसीडी ने कहा कि कर प्रशासन के पास अक्सर अचल संपत्ति (और उससे होने वाली आय) के सीमा-पार स्वामित्व के बारे में सीमित जानकारी होती है। रिपोर्ट के मुताबिक अल्पावधि में इच्छुक देश सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कानूनी और परिचालन साधनों के आधार पर आसानी से उपलब्ध सूचनाओं का आदान-प्रदान कर सकते हैं। गौरतलब है कि भारत ने अपनी जी20 अध्यक्षता के दौरान ओईसीडी को एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए आमंत्रित किया था, जो विदेशी स्वामित्व वाली अचल संपत्ति के बारे में कर पारदर्शिता के वर्तमान स्तर पर विचार करती है।

यूएई और हरियाणा के बीच समझौते के बाद चावल और चीनी निर्यात किया जाएगा

- कैलाश भगत ने यूएई में चावल और चीनी निर्यात से जुड़े व्यवसायियों से की मुलाकात

चंडीगढ़ ।

हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति और विपणन महासंघ लिमिटेड के अध्यक्ष कैलाश भगत ने बताया कि जल्द ही संयुक्त अरब अमीरात को चावल और चीनी निर्यात करने के लिए यूएई और हरियाणा सरकार के बीच एक समझौता होगा जिसके बाद हरियाणा से चावल और चीनी का निर्यात किया जाएगा। उन्होंने यह जानकारी संयुक्त अरब अमीरात में बासमती चावल के निर्यात से जुड़े कई व्यवसायियों से मुलाकात के बाद दी है। कैलाश भगत एक प्रतिनिधि मंडल के साथ यूएई में गए हुए हैं। उनके साथ प्रतिनिधि मंडल में हैफेड के प्रबंध निदेशक डॉ. जे. गणेशन तथा महाप्रबंधक (विपणन) रजनीश शर्मा भी हैं। हैफेड अध्यक्ष कैलाश भगत ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात में बासमती चावल के निर्यात से जुड़े कई व्यवसायियों से मुलाकात की है। इनमें दुबई स्थित बासमती चावल के एक प्रमुख निर्यातक के साथ बैठक हुई, जिसके बाद 1000 मीट्रिक टन के निर्यात सौदे को अंतिम रूप दिया गया।

हैफेड के अध्यक्ष ने कहा कि इस सौदे ने देश से बड़े पैमाने पर निर्यात बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया है। इसके अलावा खाद्य से संबंधित संयुक्त अरब अमीरात की एक अग्रणी सरकारी कंपनी, सिलाल फूड एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक अब्दुल्ला अतीक अलदारमाकी के साथ भी बैठक हुई है जो कि सफल रही। डॉ जे. गणेशन ने बताया कि हैफेड ने हाल ही में सऊदी अरब के एक प्रमुख आयातक से लगभग 850 करोड़ रुपए मूल्य के 85000 मीट्रिक टन बासमती चावल के निर्यात ऑर्डर खरीदे हैं जिसमें से 62000 मीट्रिक टन का निर्यात ऑर्डर सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया है, शेष निष्पादन की प्रक्रिया में है।

उन्होंने बताया कि सऊदी अरब में सफल निर्यात से उत्साहित होकर हैफेड ने अन्य देशों में भी अपने निर्यात कारोबार का विस्तार करने की योजना बनाई है। बासमती चावल के निर्यात के लिए हैफेड किसानों से सीधे बासमती धान की व्यावसायिक खरीद भी कर रहा है।

एआई के प्रशिक्षण पर लाखों डॉलर खर्च कर रहा एप्पल !

सैन फ्रांसिस्को ।

जेनेरिक एआई की दौड़ तेज होने के कारण एप्पल कथित तौर पर कई कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) संवादी मॉडल बनाने में प्रतिदिन लाखों डॉलर का खर्च कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेक दिग्गज कई टीमों में कई एआई मॉडल पर काम कर रही है। इसका एक लक्ष्य उस फीचर विकसित करना है, जो आईफोन ग्राहकों को कई चरणों वाले कार्यों को स्वचालित करने के लिए सरल वॉयस कमांड का उपयोग करने की अनुमति देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तकनीक उपयोगकर्ताओं को अपने फोन पर सिरी वॉयस असिस्टेंट को उनके द्वारा ली गई आखिरी पांच तस्वीरों का उपयोग करके जीआईएफ बनाने और इस एक दोस्त को टेक्स्ट करने के लिए कहने की अनुमति दे सकती है।

वर्तमान में, एक आईफोन उपयोगकर्ता को व्यक्तिगत क्रियाओं को मैन्युअल रूप से प्रोग्राम करना पड़ता है। एप्पल के एआई प्रमुख जॉन गियानंद्रिया ने चार साल पहले संवादी एआई विकसित करने के लिए एक टीम के गठन को अधिकृत किया था, जिसे बड़े-भाषा मॉडल के रूप में जाना जाता है। यह चैटजीपीटी के अस्तित्व में आने से बहुत पहले की बात है। एक चैटबॉट पर काम चल रहा है, जो एप्पल केयर का उपयोग करने वाले ग्राहकों के साथ बातचीत करेगा जबकि दूसरा सिरी के साथ मल्टीस्टेप कार्यों को स्वचालित करना आसान बना सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल का सबसे उन्नत एलएलएम, जिसे आंतरिक रूप से अजाक्स जीपीटी के रूप में जाना जाता है, को 200 बिलियन से अधिक मापदंडों पर प्रशिक्षित किया गया है और यह ओपनएआई के जीपीटी-3.5 से अधिक शक्तिशाली है। टेक दिग्गज ने अभी तक रिपोर्ट पर टिप्पणी नहीं की है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने पिछले महीने खुलासा किया था कि टेक दिग्गज वर्षों से जेनरेटिव एआई और अन्य मॉडलों पर काम कर रहा है। कुक ने कहा कि एप्पल एआई और मशीन लर्निंग (एमएल) को मौलिक कोर प्रौद्योगिकियों के रूप में देखता है। कुक ने बताया, और वे वस्तुतः हमारे द्वारा बनाए गए हर उत्पाद में अंतर्निहित हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

- ब्रेंट क्रूड 0.81 फीसदी की तेजी के साथ 90.65 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

देश भर में शनिवार के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। वैश्विक बाजार में अगर कच्चे तेल की कीमतों की बात करें तो इसमें जोरदार तेजी देखने को मिली है। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों के मुताबिक भारत में ईंधन की कीमत को तय किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.81 फीसदी की तेजी के साथ 90.65 डॉलर प्रति बैरल के लेवल पर कारोबार कर रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम 87.51 डॉलर प्रति बैरल हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपए और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है. भोपाल में पेट्रोल 108.65 रुपये और डीजल 93.90 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

ह्युंडई की एक्सटर लॉन्च के साथ हो गई हिट

नई दिल्ली ।

कई कार निर्माता कंपनियों ने एसयूवी और कॉम्पैक्ट एसयूवी का मिला जुला छोटा रूप माइक्रो एसयूवी बाजार में उतार दिया। कंफर्ट, स्पेस और परफॉर्मेंस में किसी भी हैचबैक से ये सेगमेंट कम नहीं है। इसी के चलते टाटा की पंच को लोगों ने बेहद पसंद किया।

कार के लॉन्च होने के साथ ही इसकी रिकॉर्ड सेल हुई। पंच टॉप 10 सेलिंग कारों में भी लगातार अपनी जगह बनाती आ रही है। हालात ये रहे कि टाटा की सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी नेक्सॉन को भी पंच ने कई बार सेल के मामले में पछाड़ दिया। इसी को देखते हुए दूसरी कंपनियां भी अब इस सेगमेंट में अपना हाथ आजमाने से नहीं चूक रही हैं। पंच को टक्कर देने के लिए हाल ही में लॉन्च हुई एक और माइक्रो एसयूवी ने झंडे गाड़ दिए हैं। इस कार की लगातार बुकिंग के चलते अब इसका वेटिंग पीरियड काफी बढ़ गया है। वहीं टाटा पंच और एमजी जैसी कंपनियों को इसने टेंशन में डाल दिया है। दरअसल हम यहां पर बात कर रहे हैं ह्युंडई एक्सटर की। ह्युंडई की एक्सटर लॉन्च होने के साथ ही जबर्दस्त तरीके से हिट हो गई है।

हालांकि अभी भी कुछ लोगों का मानना है कि ये काफी छोटी है और इसमें स्पेस की कमी है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है, छोटी होने के बाद भी एक्सटर में काफी स्पेस है और इसका व्हील बेस भी टाटा पंच के मुकाबले ज्यादा है। वहीं इस कार में कंपनी ने कई फीचर्स ऐसे दिए हैं जो आपको प्रीमियम एसयूवी में देखने को मिलते हैं। एक्सटर में कंपनी 1.2 लीटर का नेचुरली एस्पीरेटेड पेट्रोल इंजन देती है। ये इंजन 81.8 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। वहीं इसका सीएनजी मॉडल 67.72 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। इस इंजन की खासियत है कि ये पैपी और पावरफुल होने के साथ ही बेहतरीन माइलेज देता है। कार पेट्रोल पर करीब 21 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है।

वहीं सीएनजी पर इसका माइलेज 30 किलोमीटर प्रति किलो तक भी जाता है। कार में फीचर्स भी काफी शानदार दिए गए हैं। ये देश की पहली माइक्रो एसयूवी है जिसमें कंपनी ने सनरूफ दी है। इसी के साथ आपको बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, क्लाइमेट कंट्रोल एसी, स्पीड सेंसिंग डोर लॉक्स, चाइल्ड लॉक, 6 एयरबैग, एबीएस, ईबीडी, जैसे फीचर्स मिलते हैं।

अमेरिकी टीम ने हरि सिंह नलवा को दिया सम्मान, जर्सी पर उकेरी तस्वीर

टैक्सास । अमरीका की डलास काऊबॉयस रग्बी टीम ने खालसा राज के महान सिख जरनैल हरि सिंह नलवा को सम्मान देते हुए खिलाड़ियों की जर्सी पर उनकी तस्वीर उकेरी है जिसे पहन कर खिलाड़ी मैदान में उतरेंगे। डलास काऊबॉयस रग्बी टीम के कोच माइक मैक्कार्थी का मानना है कि सिख जरनैल हरि सिंह नलवा एक महान योद्धा रहे हैं। अमरीका में रग्बी सीजन की आधिकारिक शुरूआत के तौर पर उन्होंने टीम की थीम को कार्पे ओम्निया वाक्यांश के तौर पर प्रकट किया, जिसका अर्थ है 'सब कुछ प्राप्त करो'। टीम व प्रशंसकों के लिए खालसा राज के सिख जरनैल हरि सिंह नलवा की तस्वीर के लोगो वाली जर्सी बनाई गई है जो टीम का मनोबल बढ़ाएगी। मैक्कार्थी ने कहा कि मुझे लगता है कि विषय-वस्तु महत्वपूर्ण हैं। वे ऑफसीजन के विभिन्न बिंदुओं पर आपके पास आते हैं। ये थोड़ा अलग आया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसे यह दर्शाने की जरूरत है कि आपकी फुटबॉल टीम चैंपियनशिप जीतने की दिशा में कहां है, वे कहां हैं। मुझे लगता है कि इस लीग में सुपर बाउल जीतना बहुत मुश्किल है। इसमें कोई सवाल नहीं है। यह हर साल साबित होता है। लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से अपने अनुभव से सोचता हूं कि सफलता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। बत दें कि सरदार हरि सिंह नलवा महाराजा रणजीत सिंह के सेनाध्यक्ष थे जिन्होंने पठानों के विरुद्ध हुए युद्धों का नेतृत्व किया।

एशियाई खेलों से पहले आत्मविश्वास से लबरेज हैं हॉकी फारवर्ड गुरजंट सिंह

बेंगलुरु

19वें एशियाई खेल हांग्जो 2022 के लिए 18 सदस्यीय टीम में जगह बनाने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड गुरजंट सिंह अपने कौशल से प्रभाव छोड़ना चाहते हैं। 28 वर्षीय फारवर्ड जिन्होंने 2017 में टेस्ट सीरीज के दौरान बेल्जियम के खिलाफ अपनी सीनियर टीम की शुरुआत की थी, चोट के कारण एशियाई खेलों के पिछले संस्करण से चूक गए थे। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में गुरजंट की यह पहली उपस्थिति होगी। भारत की वर्तमान फॉरवर्ड लाइन के मुख्य आधारों में से एक, गुरजंट को उनके चचेरे भाई ने हॉकी से परिचित कराया था, जो उनके जन्मस्थान अमृतसर, पंजाब से लगभग 40 किमी दूर बटाला में रहते थे। उन्होंने भारत को लखनऊ में 2016 एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप जीतने में मदद करने से पहले चंडीगढ़ हॉकी अकादमी में अपने कौशल को निखारा। उन्होंने भारतीय टीम की यादगार जीतों में योगदान दिया, जिसमें टोक्यो 2020 ओलंपिक में कांस्य पदक जीतना, एफआईएच प्रो लीग 2022/23 में तीसरा स्थान हासिल करना, राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रजत पदक जीतना हाल ही में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 जीतना शामिल है। आगामी एशियाई खेलों में अपनी भूमिका के बारे में बोलते हुए फारवर्ड ने कहा कि यह अब तक एक अद्भुत यात्रा रही है। मुझे हमेशा अपने साथियों से समर्थन मिला है और मैं इसके लिए वास्तव में आभारी हूं। मैं काफी समय से टीम का हिस्सा हूं। अभी कुछ समय हो गया है और मैं पिछले कुछ वर्षों में एक खिलाड़ी के रूप में विकसित हुआ हूं और बहुत कुछ सीखा है। एशियाई खेलों में मेरी भूमिका अलग होगी, यह उस स्वामित्व को लेने के बारे में होगी और मेरा ध्यान अपने फिनिशिंग कौशल को क्रियान्वित करने पर होगा।

बता दें कि भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। वे 24 सितंबर, 2023 को उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने एशियाई खेलों के अभियान की शुरुआत करेंगे।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों से निपटेंगे भारतीय बल्लेबाज बनाएंगे प्लान

नई दिल्ली ।

एशिया कप 2023 में भारतीय टीम बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों से निपटने के लिए प्लान बनाने जा रही है। हालों कि टीम ने अपना पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। बारिश के चलते बेनतीजा रहे इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों की एक पुरानी कमजोरी फिर से उजागर हो गई थी। ये कमजोरी बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करने की थी। मुकाबले में कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह आफरीदी ने बोल्ड किया था। ऐसा पहली बार नहीं हुआ, जब भारतीय बल्लेबाज बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते दिखाई दिए। यदि कोई लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर बेहतर रफ्तार और स्विंग के साथ बॉलिंग कर रहा हो, तो उसके सामने भारतीय बल्लेबाजों की हालत पस्त हो जाती है। चूंकि बाएं हाथ के गेंदबाजों का एंगल अलग होता है। ऐसे जब गेंद अंदर की ओर आती है तो खेलना मुश्किल हो जाता है। आगामी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के मद्देनजर भारतीय बल्लेबाजों को इस कमजोरी पर काफी काम करना होगा। वर्ल्ड कप में शाहीन आफरीदी के अलावा भारतीय बल्लेबाजों का सामना ट्रेंट बोल्ट (न्यूजीलैंड), मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया), रीस टॉप्ली और डेविड विली (इंग्लैंड), मार्को जानसेन (साउथ अफ्रीका), मुस्तफिजुर (बांग्लादेश) जैसे खब्बू तेज गेंदबाजों से हो सकता है। देखा जाए तो टॉप-ऑर्डर के तीन बल्लेबाजों शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ काफी परेशानी होती है। मिचेल स्टार्क 3 बार रोहित शर्मा को वनडे क्रिकेट में आउट कर चुके हैं। वहीं शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव को वह 2-2 बार आउट कर चुके हैं। स्टार्क ने एक मौके पर विराट कोहली को भी शिकार बनाया था।

61वें मिनट में गोल कर पेले को पछाड़कर आगे निकल गए नेमार

साओ पाउलो । फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी नेमार शुक्रवार को तीन बार के विश्व कप विजेता और महान फुटबॉलर पेले को पछाड़कर ब्राजील के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। नेमार ने यह उपलब्धित बोलिविया के खिलाफ विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में 61वें मिनट में गोल करके हासिल की। अमेजन शहर के बेलेम में 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 78वां गोल दागा जिससे वह पेले के 77 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने में सफल रहे। ब्राजील ने इस विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में 5-1 से जीत दर्ज की। नेमार ने मैच में टीम के लिए चौथा और पांचवां गोल दागा। अब उनके कुल 79 गोल हो गए हैं। अल हिलाल का यह स्ट्राइकर 17वें मिनट में एक पेनल्टी से भी चूक गया था। नेमार ने यह रिकॉर्ड गोल करने के बाद हवा में मुक्का लगाकर जश्न मनाया जैसा कि आमतौर पर पेले किया करते थे। पिछले साल दिसंबर में पेले का निधन हो गया था जिन्होंने ब्राजील के लिए 92 मैच में 77 गोल दागे थे।

सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी रोहन बोपन्ना विजेता बनने से चूके

न्यूयॉर्क ।

आर्थर ऐश स्टेडियम में भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन यूएस ओपन के पुरुष युगल फाइनल में राजीव राम और जो सैलिसबरी से हार गए। पुरुष युगल फ़ाइनल में इतिहास दांव पर था, क्योंकि दोनों जोड़ियों के पास रिकॉर्ड बुक में शामिल होने का मौका था। ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी रोहन बोपन्ना सबसे उम्रदराज विजेता बनने की उम्मीद कर रहे थे, जबकि राजीव राम और जो सैलिसबरी यूएस ओपन खिताब की हैट्रिक की उम्मीद कर रहे थे। अंत में, 2021 और 2022 के चैंपियन ने बोपन्ना और एब्डेन की वीरतापूर्ण जोड़ी को पीछे छोड़ते हुए एक आकर्षक वापसी की। फाइनल में बोपन्ना के लिए यह दूसरी बार दुर्भाग्यशाली रहा क्योंकि 2010 के फाइनल में हारने के बाद फिर फाइनल में हारे। बोपन्ना की ओर से यह एक स्वप्निल शुरुआत थी, वॉली पुटअवे और क्रूर फोरहैंड ने प्यार को तत्काल विराम दे दिया। मौजूदा चैंपियन राम और सैलिसबरी ने एक मौका बनाने के लिए त्वरित आदान-प्रदान के संग्रह में दबाव बढ़ाया, लेकिन बोपन्ना की तेजी से डिलीवरी और एबडेन के क्लीन नेट प्ले ने खतरे को खत्म कर दिया और 3-1 से आगे हो गए।

राम ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को चेतावनी संकेत देने के लिए एक लेज़र-जैसे इनसाइड-इन-फोरहैंड रिटर्न विनर को फ्लिक किया - वे न्यूयॉर्क में वापस लय में थे। निर्णायक गेम में बोपन्ना अपनी सर्विस पर 0-40 से पीछे रह गये। बैक पैडलिंग के दौरान मंत्रमुग्ध कर देने वाले फोरहैंड लॉब ने उत्प्रेरक को लगातार पांच अंकों से बचने में मदद की। भारतीय ने ब्रेक के मौके के लिए राम और सैलिसबरी को विभाजित करने के लिए बैकहैंड रिटर्न राइफ़ल किया। मौजूदा चैंपियन डटे रहे और तीन ब्रेक

प्वाइंट बचाकर 2-2 से बराबरी कर ली। राम/सैलिसबरी लगातार तीन गेमों में स्कोरबोर्ड पर 4-2 के साथ गौरव की ओर बढ़ते हुए प्रमुख बिंदुओं का दावा कर रहे थे। कुछ अत्यधिक सराहनीय खेल कौशल का समय था। एक निर्णायक मोड़ पर, बोपन्ना ने 2-4 पर एक अंक गंवा दिया, यह जानते हुए कि एबडेन फोरहैंड ने दिशा बदलने के लिए उनकी बांह पर प्रहार किया था।

संक्षिप्त समाचार

बीसीबी ने अपने कोच की बात का किया खंडन

कोलंबो । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भारत और पाकिस्तान के बीच 'सुपर फोर मैच के लिए एक 'रिजर्व दिन रखने के एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीबी) के फैसले को सर्वसम्मति से लिया निर्णय बताया जो सभी चार क्रिकेट बोर्ड की सहमति के बाद हुआ। बांग्लादेश के मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघा ने फैसले पर नाराजगी व्यक्त की थी और श्रीलंकाई कोच क्रिस सिल्वरवुड ने भी 'सुपर फोर मुकाबले की पूर्व संध्या पर हैरानी व्यक्त की थी। लेकिन अपने कोच की टिप्पणी के कुछ घंटों बाद बीसीबी ने हैरानी भरी घोषणा करते हुए कहा कि एहतियाती कदम के लिए 'सुपर फोर चरण में भाग लेने वाली सभी चारों टीमों से इसके लिए सर्वसम्मत मंजूरी मिल गई थी। बीसीबी ने कहा, 'सुपर 11 एशिया कप के 'सुपर चार चरण में भारत-पाकिस्तान मैच के लिए खेलने की परिस्थितियों को देखते हुए एक 'रिजर्व दिन रखा गया है। उन्होंने कहा स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह फैसला भाग लेने वाली सभी चारों टीम और एसीसी की सर्वसम्मति से हुआ। एसीबी ने घोषणा की कि अगर रविवार को बारिश ने खलल डाला तब भारत-पाक मुकाबला सोमवार को फिर से शुरु होगा।

कोच इगोर स्टिमक ने मैच रेफरी को सुनाई खरी-खरी

चिआंग मई । भारतीय फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमक ने उच्च रैंकिंग वाले इराक के खिलाफ किंग्स कप के सेमीफाइनल में अपनी टीम से जीत छीनने के लिए रेफरी की आलोचना की है। सुनील छेत्री के बिना खेल रही भारतीय टीम ने विवादास्पद पेनल्टी पर एक गोल गंवाया और अपने से ऊंची रैंकिंग वाले इराक को हराने में नाकाम रही। टीम को पेनल्टी शूटआउट में पराजय झेलनी पड़ी। स्टिमक ने सोशल मीडिया पर टीम के प्रदर्शन की सराहना कर लिखा कि ऐसा भी दिन आयेगा जब रेफरी का विवादित फैसला भी हमें जीत दर्ज करने से नहीं रोक पाएगा। उन्होंने लिखा कि हमारे खिलाड़ियों ने आज रात मैदान पर अपना सबकुछ झोक दिया और मुझे उन पर बहुत गर्व है। किसी ने आज उन्हें जीत से वंचित करने का फैसला किया था, लेकिन वह समय जल्द ही आएगा जब रेफरी भी हमारी टीम को मैच जीतने से नहीं रोक पाएगा। भारतीय टीम 79वें मिनट तक 2-1 से आगे थी जब रेफरी ने इराक को पेनल्टी दी। इराक के स्ट्राइकर ऐमेन गाधबान बाक्स में 2 डिफेंडरों से भिड़ गए थे। यह पेनल्टी बन नहीं रही थी लेकिन ऐमेन ने इस पर गोल दागकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। ईराक ने शूटआउट में 5-4 से जीत दर्ज की। शूटआउट भारत के लिए ब्रेंडन फर्नांडिस गोल नहीं कर सके। फीफा रैंकिंग में इराक 70 वें स्थान पर है जबकि भारतीय टीम 99वें स्थान पर है। महेश नाओरेम ने 16वें मिनट में भारत को बढ़त दिलाई। करीम अली ने 28वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके स्कोर को 1-1 कर दिया। इराक के कप्तान जलाल हसन के आत्मघाती गोल पर भारत ने 51वें मिनट में बढत बनाई जो बाद में ऐमेन ने उतार दी। इस हार के साथ भारत का इस साल 12 मैचों का विजय अभियान भी थम गया।

श्रीलंका में लगातार खेलने का फायदा हमें भारत के खिलाफ मिलेगा : बाबर आजम

कोलंबो ।

पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने कहा कि श्रीलंकाई परिस्थितियों में खेलने का हालिया अनुभव रविवार को होने वाले एशिया कप सुपर 4 मुकाबले में उनकी टीम को भारत पर बढ़त दिलाएगा। बाबर ने कहा, पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों में हम जो लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं, यह देखकर आप कह सकते हैं कि हम (भारत पर) बढ़त बनाए हुए हैं। हम पिछले दो महीनों से यहां श्रीलंका में खेल रहे हैं। पाकिस्तानी टीम ने टेस्ट खेले हैं, हमने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेली और फिर एलपीएल... इसलिए यह कहा जा सकता है कि हमें फायदा है। उन्होंने कहा, हम हमेशा शेड्यूल जानते थे और हमें कितनी यात्रा करनी है। इसलिए यह महत्वपूर्ण हो गया कि हम अपने खिलाड़ियों की देखभाल कैसे करते हैं। हमने सब कुछ अच्छी तरह से योजनाबद्ध किया है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज एशिया कप में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और नसीम शाह ने अब तक केवल तीन मैचों में 23 विकेट लिए हैं। हालांकि बाबर ने अपने स्पिनरों को बीच के ओवरों में पार्टी में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि विरोधियों पर बनाया गया दबाव कम न हो। उन्होंने कहा, हां, हमें (गेंद से) अच्छी शुरुआत मिलती है और हमारी योजना हमेशा बीच के ओवरों में अच्छी गेंदबाजी करने की होती है। प्रयास यह है कि प्रभावी संयोजन हो। हमें बीच के ओवरों में विकेटों की जरूरत है लेकिन वे हमें नहीं मिल रहे हैं।

बाबर ने कहा, लेकिन आप देख सकते हैं कि हम अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारे तेज गेंदबाज अंत में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह एक टीम का प्रदर्शन है। अगर कोई विफल रहता है, तो दूसरा गेंदबाज काम करता है।

डिविलियर्स ने सूर्यकुमार को दिए टिप्स, कुछ बदलाव जरूरी

डरबन । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को लगता है कि भारत के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को 50 ओवर के प्रारूप में सफलता को दोहराने के लिए अपनी मानसिकता में बदलाव की जरुरत है। सूर्यकुमार आगामी विश्व कप के लिए टीम में अपना स्थान बरकरार रखने में सफल रहे हैं। लेकिन उनका वनडे में 24.33 का औसत काफी खराब हैं, जिसमें सूर्यकुमार के नाम 24 पारियों में केवल दो अर्धशतक हैं। सूर्यकुमार खुद इन आंकड़ों को काफी खराब मानते हैं। डिविलियर्स ने उनकी प्रशंसा कर कहा, 'मैं सूर्यकुमार का बड़ा प्रशंसक हूं। वह उसी तरीके से खेलता है जैसा मैं खेला करता था। लेकिन वनडे में वह अभी तक ऐसी बल्लेबाजी नहीं कर पाया है। उन्होंने कहा, 'यह दिमाग में मामूली से बदलाव की बात है जो उन्हें करना होगा और उनके पास ऐसा करने की काबिलियत मौजूद है। डिविलियर्स ने कहा, 'सूर्यकुमार को विश्व कप टीम में देखकर बहुत राहत मिली। मैं बहुत खुश हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि इस विश्व कप में उसे यह मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम के संतुलन को देखते हुए वह शायद शुरुआत नहीं करेगा लेकिन विश्व कप लंबा टूर्नामेंट है। देखते हैं तब क्या होता है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के सुपरस्टार लाइव इवेंट में रहा जॉन सीना का जलवा

हैदराबाद । डब्ल्यूडब्ल्यूई ने 8 सितंबर को हैदराबाद में सुपरस्टार लाइव इवेंट का आयोजन किया। यह 6 साल बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई का भारत में पहला इवेंट था और हर मायने में यह काफी ज्यादा खास था। मेन इवेंट में दिग्गज जॉन सीना एक्शन में दिखाई दिए। इस इवेंट में दो चैंपियनशिप मैच देखने को मिले। एक तरफ रिया रिप्ली ने विमेंस वर्ल्ड चैंपियनशिप को डिफेंड किया और दूसरी तरफ गुंथर ने भी अपनी आईसी चैंपियनशिप को डिफेंड किया। शो में वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन सैथ रॉलिंस ने भी शिरकत की, लेकिन अपना टाइटल डिफेंड नहीं किया। वे मेन इवेंट में एक्शन में दिखाई दिए। उन्होंने जॉन सीना के साथ टीम बनाकर द इम्पीरियम के खिलाफ टैग टीम मैच लड़ा। शो में कुल मिलाकर 6 मुकाबले देखने को मिले, लेकिन भारतीय सुपरस्टार्स के लिए यह शो बिल्कुल भी यादगार नहीं रहा। शो में 4 भारत के सितारे एक्शन में दिखाई दिए, लेकिन हर एक सुपरस्टार को हार का सामना करना पड़ा। केविन ओवेंस, सैमी ज़ेन और ड्रू मैकइंटायर ने सिक्स मैन टैग टीम मुकाबले में इंडस शेर को हराया। वहीं नटालिया ने सिंगल्स मैच में जोई स्टार्स को हराकर विमेंस वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए मौका हासिल किया। विमेंस वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए नटालिया और रिया रिप्ली के बीच सिंगल्स मैच देखने को मिला। अंत में रिप्ली ने नटालिया को रिपटाइड देने के बाद पिन करते हुए अपनी चैंपियनशिप को सफलतापूर्वक रिटेन किया। आईसी चैंपियनशिप के लिए गुंथर और शैंकी के बीच मुकाबला देखने को मिला, लेकिन शैंकी हार गया। वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन सैथ रॉलिंस और जॉन सीना ने इम्पीरियम के जियोवानी विंची और लुडविग काइजर को हराया। वहीं द ग्रेट खली ने फैंस से बात करते हुए कहा कि टाइगर अभी जिंदा है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि मैं अभी एक और मैच लड़ सकता हूं।

बिग बी के बाद सचिन को जय शाह ने दिया गोल्डन टिकट

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 से पहले भारत के महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को गोल्डन टिकट प्रदान किया। विश्व कप भारत में 5 अक्टूबर से आयोजित होना है। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम टूर्नामेंट के उद्घाटन और फाइनल की मेजबानी करेगा। शाह की एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्हें बीसीसीआई के गोल्डन टिकट फॉर इंडिया आइकॉन्स कार्यक्रम के एक भाग के रूप में गोल्डन टिकट दिया गया। क्रिकेट और राष्ट्र के लिए एक गौरवमर्य पल। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने भारत रत्न सचिन को गोल्डन टिकट प्रदान किया। राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक सचिन तेंदुलकर की यात्रा ने पीढ़ियों को प्रेरित किया है। बता दें कि सचिन ने वनडे फार्मेट के ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। उन्होंने 6 विश्व कप में हिस्सा लेकर 45 मैचों में 2,278 रन बनाए हैं। सचिन ने 6 शतकों और 15 अर्द्धशतकों की मदद से 56.95 की औसत से ये रन बनाए हैं। टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 152 है। सचिन ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में दो गोल्डन बैट पुरस्कार जीते हैं। विश्व कप 1996 में वह 523 रन बनाकर गोल्डन बैट पाने वाले पहले भारतीय बने थे।

गोल्डन बैट हासिल करने में सफल रहे थे। सचिन ने तब 11 प्रतिष्ठित बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन को भी यह

यह जानना जरुरी की मैंच हम्बनटोटा में नहीं कोलंबों में क्यों कराएं जा रहे

कोलंबो । भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर चाहते हैं कि एशिया कप के 'सुपर 4 मैच को कोलंबो से हटाकर हम्बनटोटा में नहीं कराने के पीछे की सच्चाई का पता लगाना चाहिए और उनका मानना है कि कभी-कभार खिलाड़ियों को भी सभी अहम पहलुओं को समझने की जरूरत होती है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एशिया कप की मेजबानी 'हाइब्रिड मॉडल से कर रहा है जिसमें भारत अपने सभी मैच श्रीलंका में खेल रहा है क्योंकि भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। कोलंबो में पूरे हफ्ते भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है जिससे ऐसी चर्चा चल रही थी कि मैचों को कोलंबो से हटाकर हम्बनटोटा कराया जाएगा लेकिन एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने अपना मूल कार्यक्रम ही बरकरार रखा है। गावस्कर ने कहा कि किसी को सच्चाई पता करनी चाहिए। क्रिकेट के पहलू से ऐसा दिख रहा है कि शायद वे खिलाड़ी ही हैं जो हम्बनटोटा नहीं जाना चाहते थे। उन्होंने कहा- इसलिए प्रशासकों को यह जानते हुए भी कि कोलंबो में मौसम काफी खराब हो सकता है, अंतिम क्षण में बदलकर इस हम्बनटोटा से कोलंबो में करना पड़ा। लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान ने स्पष्ट किया कि वह किसी एक विशेष देश के खिलाड़ियों पर ही ऊंगली नहीं उठा रहे। उन्होंने कहा कि जब मैं खिलाड़ी कह रहा हूं, तब मेरा मतलब किसी एक टीम के खिलाड़ी से नहीं है लेकिन सभी टीम के खिलाड़ियों से हैं जिन्हें वहां खेलना था। गावस्कर ने प्रशासकों से भी सहानुभूति जाहिर की क्योंकि उन्हें खेल प्रशंसकों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है जो खराब मौसम के कारण अपनी पसंदीदा

ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

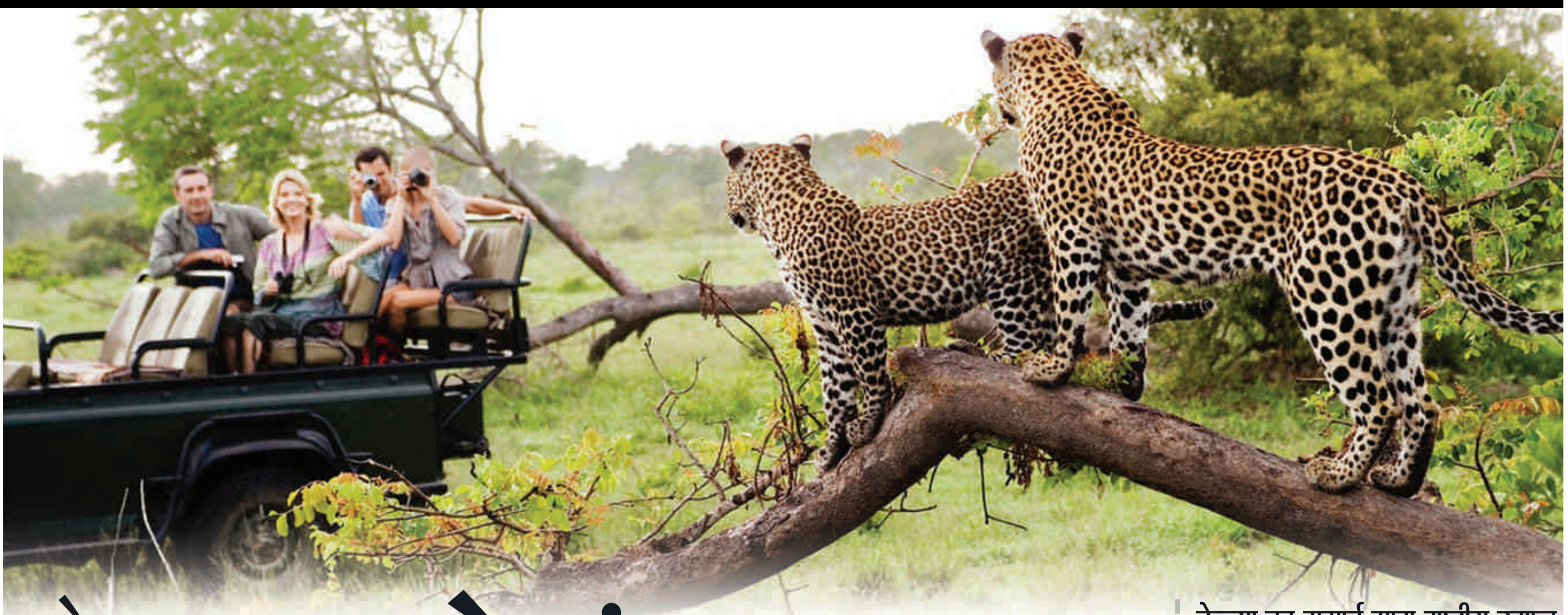

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। द्वकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या ट्विस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं।

हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यत: किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

अवैध कारोबार के आरोप में चार भारतीय-अमेरिकी गिरफ्तार

न्यूयॉर्क । चार भारतीय-अमेरिकियों को न्यूयॉर्क में बिना लाइसेंस के धन प्रेषण व्यवसाय के माध्यम से 600 मिलियन डॉलर से अधिक की प्रोसेसिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि राज वैद्य, राकेश वैद्य, श्रेय वैद्य, व न्यू जर्सी के 26 वर्षीय नील पटेल पर बिना लाइसेंस के धन प्रेषण व्यवसाय के संचालन और सहायता के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वकील ने कहा कि ग्रेट नेक, न्यूयॉर्क के 57 वर्षीय पांचवें व्यक्ति यूसुफ जानफ़र को भी गिरफ्तार किया गया। इस मामले में दायर दस्तावेजों और अदालत में दिए गए बयानों के अनुसार राज, राकेश, श्रेय और नील 2019 से न्यूयॉर्क शहर के डायमंड डिस्ट्रिक्ट में हीरा, सोना और आभूषण कंपनियों का संचालन कर रहे थे। इन्होंने इन कंपनियों और अन्य संस्थाओं का इस्तेमाल ग्राहकों के लिए अवैध वित्तीय लेनदेन में सैकड़ों मिलियन डॉलर का संचालन करने के लिए किया। इसमें पर्याप्त शुल्क के बदले में नकदी को चेक या वायर ट्रांसफर में परिवर्तित करना शामिल है। उन्होंने एक ही दिन में लाखों डॉलर की नकदी भी स्थानांतरित की। उनकी कोई भी कंपनी न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी या वित्तीय अपराध प्रवर्तन नेटवर्क के साथ धन प्रेषण व्यवसाय के रूप में पंजीकृत नहीं थी। अवैध धन प्रेषण व्यवसाय के संचालन, सहायता और बढ़ावा देने के आरोप में अधिकतम पांच साल की जेल और 250,000 डॉलर का जुर्माना है।

पुतिन से मिलने ट्रेन से जाएंगे किम

– ट्रेन पूरी तरह बुलेटप्रूफ है, एंटरटेनमेंट के लिए खूबसूरत महिला कंडक्टर जाएंगी साथ

प्योंयॉग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के हथियारों के प्रति प्रेम को देखकर उन्हें लिटिल रॉकेट मैन भी कहा जाने लगा है। वो जल्द ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने वाले हैं लेकिन वो यहां प्लेन से नहीं बल्कि ट्रेन से जाएंगे। किम जोंग इससे पहले चीन भी ट्रेन से ही गए थे। दोनों नेताओं की मुलाकात में रूस को हथियार मुहैया कराने पर चर्चा हो सकती है, जो इस वक्त यूक्रेन से जंग लड़ रहा है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार 39 साल के किम को ये ट्रेन अपने पिता किम जोंग इल से विरासत में मिली है। ऐसा कहा जाता है कि किम को प्लेन में बैठने से डर लगता है। अब चूंकी ये किम जोंग की ट्रेन है, तो मामूली तो कतई नहीं होगी। इसकी एवरेज स्पीड 37 एमपीएच है। इसमें कॉन्फ्रेंस रूम, सैटेलाइट फोन, फ्लैटस्क्रीन टीवी और करीब 100 सिक्योरिटी एजेंट्स हैं। इन एजेंट्स का काम रास्ते और स्टेशंस को स्कैन करना होता है, ताकि बम या किसी भी अन्य खतरे से बचा जा सके। ट्रेन पूरी तरह बुलेटप्रूफ है। ट्रेन में शेफ भी मौजूद रहते हैं, जो रूसी, चीनी, कोरियन, जापानी और फ्रेंच खाना बनाते हैं। किम जोंग इल के साथ यात्रा करने वाले रूसी अधिकारी कॉन्स्टेंटिन पुलिकोवस्की के 2002 के एक आर्टिकल के अनुसार, ट्रेन में जीवित समुद्री पशुओं को भी ले जाया जाता है, ताकि उन्हें ताजा ही खाया जा सके। इल अपने नखरीले अंदाज के लिए जाने जाते थे। उस यात्रा में उन्हें रास्ते में रूसी डिश परोसी गई थी, तब भी उन्होंने उसमें काफी कमियां निकाल दीं। पुलिकोवस्की ने लिखा था, किम जोंग इल ने पीस को उठाया और कहा ये किस तरह का पेल्मेनी है? इसे थोड़ा बड़ा और ज्यादा उबला हुआ होना चाहिए। इस ट्रेन में एंटरटेनमेंट के लिए महिला कंडक्टरों को रखा गया है। उन्हें खूबसूरत लेडी कंडक्टर कहा जाता है। हमलों की आशंका के चलते, एक अलग ट्रेन काफिले के आगे-आगे चलती है। वहीं किम के रविवार तक रूस के व्लादिवोस्तोक पहुंचने की संभावना है। वो ट्रेन से रूस के पीयर 33 जा सकते हैं। जहां पनडुब्बी रोधी जहाज पैसिफिक बंदरगाह शहर की निगरानी करते हैं। इसके अलावा किम मॉस्को भी जा सकते हैं।

पूर्व हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी 2024 में फिर लडेंगी चुनाव

वॉशिंगटन । यूएस हाउस की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी ने कहा कि वो एक बार फिर सदन (कांग्रेस) के चुनाव में उतरेंगी। उन्होंने बताया कि वो 2024 में अपनी परंपरागत सीट सैन फ्रांसिस्को से चुनाव लड़ेंगी। क्योंकि डेमोक्रेट बहुमत हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। पेलोसी ने एक्स पर एक बयान में कहा, हमारे शहर को अब पहले से कहीं ज्यादा सैन फ्रांसिस्को के मूल्यों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। हमारे देश को अमेरिका की जरूरत है जो दुनिया को दिखाए कि सभी के लिए स्वतंत्रता और न्याय के साथ हमारा झंडा अभी भी है। यही कारण है कि मैं फिर से चुनाव लड़ रही हूं और सम्मानपूर्वक आपका वोट मांगती हूं। गौरतलब है कि पेलोसी दो बार हाउस स्पीकर के रूप में कार्य कर चुकी हैं। वो इस पद को संभालने वाली पहली महिला हैं। 2022 के कांग्रेस चुनाव के बाद पेलोसी ने घोषणा की थी कि वो प्रतिनिधि के रूप में काम करना जारी रखेंगी। चुनावी अभियान में पेलोसी की रणनीति का डेमोक्रेट्स को भी लाभ मिलता आया है। वो वॉशिंगटन के राजनीतिक हलकों में चर्चा में रहती हैं। बता दें कि पेलोसी पहली बार 1987 में सदन के लिए चुनी गईं। उन्होंने लंबे समय से अपना रास्ता खुद तय किया है। सदन के लिए चुनी गई कुछ महिलाओं में से एक के रूप में कांग्रेस में जगह बनाई और अमेरिकी राजनीति में सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक के रूप में कार्यकाल पूरा किया है। डेमोक्रेटिक नेता पेलोसी ने 2007 में पहली महिला स्पीकर बनकर इतिहास रचा था। फिर 2019 में उन्होंने स्पीकर का पद हासिल किया। स्पीकर के तौर पर उनका कार्यकाल जनवरी 2023 में पूरा हुआ था। अमेरिका में डेमोक्रेट्स का मानना ????है कि उनके पास सत्ता हासिल करने का मौका है। जब ?कि राष्ट्रपति जो बाइडन दूसरे कार्यकाल के लिए दौड़ में शामिल हैं।

वैज्ञानिकों के लिए रहस्य बना हुआ है समुद्र में मिला टूटा हुआ सुनहरा अंडा

–रहस्यमयी चीज के बाहर निकलने का लगाया जा रहा है कयास, होगी डीएनए टेस्टिंग

अलास्का । वैज्ञानिकों के लिए समुद्र से मिला टूटा हुआ अंडा रहस्य बना हुआ है। यह सुनहरा अंडा वाकई में कोई रहस्यमयी चीज है जिसे समुद्र में देखी गई है। वैज्ञानिकों को इसे देखकर हैरानी हो रही है। जानकारी के अनुसार अमेरिका में समुद्र के तल में एक रहस्यमयी टूटा हुआ अंडा मिला है जो सुनहरे रंग का है। ये वास्तव में अंडा है या कुछ और, इसे लेकर वैज्ञानिक भी स्पष्ट नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के अलास्का में सुनहरे अंडे जैसी कोई चीज वैज्ञानिकों को मिली है। अमेरिका के समुद्र मंत्रालय के अनुसार ये सुनहरी चीज छूने में काफी कोमल है, जैसे स्किन का टिशू होता है। एक्सपर्ट्स को पूरी तरह पता ही नहीं है कि वो असल में क्या है। कुछ जानकारों का दावा है कि वो किसी चीज का अंडा है और उसके अंदर से या तो कोई चीज बाहर निकली होगी या फिर कोई चीज उसके अंदर घुसने की कोशिश कर रही होगी। ये अंडे जैसी चीज करीब सीबेड पर करीब 3 किलोमीटर अंदर की ओर मिली है। एनओएए ने इसे निकालने की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन स्ट्रीम किया था। लैब में अब इस चीज की डीएनए टेस्टिंग हो रही है जिसके बाद इसके बारे में ज्यादा कुछ पता चलेगा। जानकारों को ये भी नहीं पता है कि उस चीज में छेद कैसे हुआ है। या तो कोई समुद्री जीव इसके अंदर घुसने की कोशिश कर रहा होगा। वैज्ञानिकों को इस बात की हैरानी हो रही है कि आखिर कौन सा ऐसा जीव है जो इस तरह के अंडे का छिलका बनाता होगा। यूनिवर्सिटी ऑफ प्लायमाउथ के डीप-सी इकोलॉजी के प्रोफेसर केरी हावेल ने माना कि ये चीज काफी अनोखी और हैरान करने वाली है। उनका ये भी कहना है कि समुद्र से जुड़ी ऐसी कई चीजें हैं जिसके बारे में वैज्ञानिकों को जानकारी ही नहीं है, ऐसे में ये सुनहरे अंडे जैसी चीज एक नई खोज साबित हो सकती है।

बिना महिला, बिना पुरुष होगा बच्चों का जन्म

लंदन । दुनिया में विज्ञान तेजी से तरक्की कर रहा है कि जो चीजे असंभव लगाती थीं, वे अब संभव होती दिख रही हैं। विज्ञान कहता है कि एक बच्चे के जन्म के लिए मानव स्पर्म और अंडे की जरूरत होती है, लेकिन वैज्ञानिकों ने मुमकिन कर दिया कि इसके बिना भी बच्चे को आसानी से पैदा किया जा सकता है।यह हैरान कर देने वाला काम इजरायल में वैज्ञानिकों की एक टीम ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह वीजमैन इंस्टीट्यूट की टीम ने किया है। टीम का कहना है कि स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके 'भ्रूण मॉडल' बनाया गया। इसमें इसतरह के हार्मोन भी निकाले जिससे लैब में प्रेगनेंसी टेस्ट भी पॉजिटिव हो गया। वैज्ञानिकों ने एक बेहद अहम बात कही है। उनका कहना है कि यह नया मॉडल असली भ्रूण की तरह विकसित हो सकता है। यह रोमांचक है क्योंकि इससे हमें यह जानने में मदद मिल सकती है कि बच्चे अपनी मां के अंदर कैसे विकसित होते हैं।

TRUMP 2024
SDGOP.COM

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने रैपिड सिटी, साउथ डकोटा में साउथ डकोटा रिपब्लिकन पार्टी की रैली में अपने समर्थकों की तरफ इशारा किया।

नवाज शरीफ अक्टूबर में लौट सकते हैं पाकिस्तान, मीडिया रिपोट्र्स में दावो

इस्लामाबाद । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में अपने चार साल से अधिक के आत्म-निर्वासन को समाप्त करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के अगले महीने पाकिस्तान लौटने की संभावना है। लंदन में एक बैठक में मौजूद सूत्रों का हवाला देते हुए, जहां पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सर्वोच्च नेता शरीफ अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे, डॉन अखबार ने बताया कि उन्होंने अपनी वापसी के बारे में बात की, लेकिन एक स्पष्ट तारीख यात्रा के लिए खुलासा नहीं किया गया है। 73 वर्षीय शरीफ नवंबर 2019 से लंदन में स्व-निर्वासित निर्वासन में रह रहे हैं। उन्हें 2018 में अल-अजीजिया मिल्स और एवेनफील्ड भ्रष्टाचार मामलों में दोषी ठहराया गया था। वह लाहौर की कोट लखपत जेल में सात साल की कैद की सजा काट रहे थे। -अज़ीज़िया मिल्स मामले से पहले उन्हें 'चिकित्सा आधार' पर 2019 में लंदन जाने की अनुमति दी गई थी। डॉन की रिपोर्ट में कहा गया है कि बैठक में पीएमएल-एन कार्यकर्ता अपने नेता की वापसी की तैयारी के लिए उत्सुक थे और उनकी वापसी के तार्किक विवरण पर चर्चा कर रहे थे। शरीफ ने अक्टूबर में पाकिस्तान लौटने की पुष्टि की। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नवाज़ शरीफ़ ने कहा था कि उन्हें मौजूदा आर्थिक संकट के बीच अपने वोट बैंक और समर्थकों के साथ जुड़ने के लिए वापस लौटना होगा। इससे पहले, 25 अगस्त को शरीफ के छोटे भाई शहबाज़ ने पूर्व प्रधान मंत्री की सितंबर में पाकिस्तान वापसी की घोषणा की थी।

मोरक्को में आये भीषण भूकंप में 300 लोगों की मौत, देर रात जमकर हिली धरती

–मलबे में तब्दील हो गई अनेक इमारतें, भारत ने दिलाया हरसंभव मदद का भरोसा

रबात (एजेंसी)। मोरक्को में देर रात आए भूकंप से 300 लोगों की जान चली गई, जबकि अनेक लोग घायल भी हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात आए 6.8 तीव्रता के जोरदार भूकंप के बाद लोग घबराकर अपने-अपने घर छोड़कर भाग गए। भूकंप के कारण इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है। देश के कई हिस्सों में बिजली गुल हो गई है। रात करीब 11:11 बजे भूकंप के झटके लगे। भूकंप का केंद्र मार्राकेश से 71 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में 18.5 किलोमीटर की गहराई में था। इधर भरत ने मोरक्को में आए भीषण भूकंप में हताहतों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मदद का भरोसा दिलाया है। हालांकि मोरक्को में आए भूकंप से अब तक 300 से अधिक लोगों की मौत होने का दावा किया है। जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है, मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए कुछ वीडियो एक इमारत ढहती हुई और सड़कों पर मलबा दिखाई दे रहा है। लोगों को शॉपिंग सेंटर, रेस्तरां और अपार्टमेंट से बाहर भागते और खाली पड़े इलाकों में इकट्ठा होते हुए देखा जा सकता है। लोग डरे हुए हैं और दोबारा भूकंप आने की आशंका से बाहर रह रहे हैं।

पीएम मोदी ने दिलाया मोरक्का की मदद का भरोसा

पीएम मोदी ने इस घटना पर दुख जताया है। साथ ही उन्होंने मोरक्को को हर संभव मदद देने का भरोसा दिया है। पीएम मोदी नो एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मोरक्को में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुख हुआ। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं मोरक्को के लोगों के साथ हैं। उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। भारत इस कठिन समय में मोरक्को को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

केरमाडेक द्वीप समूह पर भी भूकंप के तेज झटके

न्यूजीलैंड के केरमाडेक द्वीप समूह के दक्षिणी क्षेत्र में भी शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गयी। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने यह जानकारी दी है। जीएफजेड के अनुसार भूकंप के झटके ग्रीनविच मिड टाइस के अनुसार आज सुबह करीब 09ः09 बजे महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र 33.23 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 178.17 डिग्री पश्चिमी देशांतर तथा सतह से 80.3 किमी की गहराई में स्थित था। भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

अबतक का सबसे तीव्रता वाला झटका

मोरक्को के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी एवं चेतावनी नेटवर्क ने रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता सात मापी। वहीं अमेरिकी एजेंसी ने 19 मिनट बाद 4.9 तीव्रता का भूकंप के बाद का झटका आने की सूचना दी। कहा जा रहा है ?कि यह मोरक्को में आया अब तक का सबसे अधिक तीव्रता वाला भूकंप है। उत्तरी अफ्रीका के इस देश में भूकंप अपेक्षाकृत कम आते हैं, लेकिन 1960 में अगादिर के पास 5.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके कारण हजारों लोगों की मौत हो गई थी।

जी20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करने पर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने जताई खुशी

SOUTH AFRICA

वाशिंगटन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने अफ्रीकी संघ को समूह के स्थायी सदस्य के रूप में स्वीकार करने के जी20 देशों के फैसले का स्वागत किया है, और सतत विकास के लिए वैश्विक साझेदारी को बढ़ाने और विस्तारित करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के मद्देनजर महामारी के कारण, नई वैश्विक व्यवस्था निम्न-कार्बन, जलवायु-लचीला और टिकाऊ समाजों में संक्रमण को तेज करने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करती है। ऐसा तब हुआ जब पीएम नरेंद्र मोदी ने जी20 नेताओं को अपने उद्घाटन भाषण के दौरान अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष अज़ाली असौमानी को उच्च मेज पर अपनी सीट लेने के लिए आमंत्रित किया।

अपने ट्वीट में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने लिखा कि हमें खुशी है कि जी20 ने अफ्रीकी संघ को जी20 के सदस्य के रूप में स्वीकार कर लिया है। कोविड़19 महामारी के मद्देनजर वैश्विक पुनर्निर्माण निम्न-कार्बन, जलवायु लचीले, टिकाऊ समाजों में संक्रमण को तेज करने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है। यह चिंता व्यक्त करते हुए कि विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ जलवायु परिवर्तन का खामियाजा भुगत रही हैं, 'इस संकट के लिए कम से कम ज़िम्मेदारी लेने के बावजूद', रामफोसा ने कहा, 'अफ्रीकी और अन्य विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों के रूप में, हमें गरीबी, असमानता और बेरोज़गारी जैसी महत्वपूर्ण विकासात्मक चुनौतियों के बीच अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के कार्य का सामना करना पड़ता है।'

सिरिल रामाफोसा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय गिरावट, अस्थिर उपभोग और उत्पादन तथा संसाधनों की कमी ऐसी चुनौतियाँ हैं जिनका समाधान सामूहिक रूप से और बड़ी एकजुटता के साथ ही किया जा सकता है। रामफोसा ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका सतत विकास के लिए एक संवर्धित और विस्तारित वैश्विक साझेदारी का आह्वान करता है।' उन्होंने कहा कि इन्हें 'विकास के लिए वित्तपोषण पर अदीस अबाबा एक्शन एजेंडा' में उल्लिखित ठोस नीतियों और कार्यों द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए।

अमेरिका ने स्पेसएक्स का अगला प्रक्षेपण रोका

– सभी जरूरी कार्रवाइयां पूरी करने के बाद किया जाएगा लांच

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने स्पेसएक्स के लॉन्च को तब तक के लिए रोक दिया है, जब तक एलन मस्क द्वारा संचालित अंतरिक्ष कंपनी 60 से अधिक सुधारात्मक कार्रवाइयां पूरी नहीं कर लेती। एफएए ने अप्रैल में स्पेसएक्स की पहली कक्षीय परीक्षण उड़ान में दुर्घटना की जांच बंद कर दी है। नियामक ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा गया कि अंतिम रिपोर्ट 20 अप्रैल, 2023 की दुर्घटना के कई मूल कारणों और 63 सुधारात्मक कार्रवाइयों का हवाला देती है, जिन्हें स्पेसएक्स को दुर्घटना की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए करना चाहिए। सुधारात्मक कार्रवाइयों में रिसाव और आग को रोकने के लिए वाहन हार्डवेयर का नया डिज़ाइन, इसकी मजबूती बढ़ाने के लिए लॉन्च पैड का नया डिज़ाइन, डिज़ाइन प्रक्रिया में अतिरिक्त समीक्षाओं को शामिल करना, स्वायत्त उड़ान सुरक्षा प्रणाली सहित सुरक्षा महत्वपूर्ण प्रणालियों और घटकों का अतिरिक्त विश्लेषण और परीक्षण और अतिरिक्त परिवर्तन नियंत्रण प्रथाओं का प्रयोग शामिल हैं। नियामक ने कहा कि दुर्घटना की जांच बंद होने से टेक्सास के बोका चिका में स्टारशिप लॉन्च की तत्काल बहाली का संकेत नहीं मिलता है। इसमें कहा गया है कि स्पेसएक्स को सार्वजनिक सुरक्षा को प्रभावित करने वाली सभी सुधारात्मक कार्रवाइयों को लागू करना होगा और एफएए से लाइसेंस संशोधन के लिए आवेदन करना होगा और प्राप्त करना होगा, जो अगले स्टारशिप लॉन्च से पहले सभी सुरक्षा, पर्यावरण और अन्य लागू नियामक आवश्यकताओं को पूरा करता है।

भारत में जी 20 का आयोजन देख गुस्से में पाकिस्तानी जनता, अपने भष्ट्र राजनेताओं को कोसा

G20
भारत 2023 INDIA

इस्लामाबाद (एजेंसी)। 75 साल पहले भारत से अलग होकर एक इस्लामिक देश बनने वाला पाकिस्तान कंगाली की हालात में है। पाकिस्तान जहां आतंकवाद को पालत-पालते उसी का शिकार हो रहा है। वहीं भारत जी-20 शिखर सम्मेलन करा रहा है। जी-20 में शामिल होने के लिए दुनिया की 19 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता भारत पहुंचे हैं। पाकिस्तानियों के अंदर लगातार इसका दर्द उठ रहा है। पाकिस्तानियों को इसका अंदाजा नहीं है कि जी-20 दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का ग्रुप है, लेकिन आवाम इस बात पर अफसोस जता रही है कि इसमें उनका देश शामिल नहीं है।

भारत ने बांग्लादेश सहित कई देशों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। इस पर पाकिस्तान के यूट्यूब चैनल ने आवाम से बात की तब उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की ऐसी हालात ही नहीं हैं कि भारत उन्हें बुलाए। एक पाकिस्तानी ने कहा कि देश क्रैश कर गया है, बस किसी तरह चल रहा है। एक शख्स ने नहीं बुलाए जाने पर कहा कि भारत और पाकिस्तान एक नहीं हो सकते। इसके साथ पाकिस्तानी युवक ने दूसरा कारण बताते हुए कहा कि हमारे राजनेताओं की इज्जत नहीं है। अगर कोई पावर वाला होता तब बुलाया जाता।

बातचीत में एक पाकिस्तानी शख्स ने कहा, बांग्लादेश हमसे बाद में आजाद हुआ था, लेकिन आज वह हमसे आगे निकल गया है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि हमारे राजनेता भ्रष्ट हैं। अगर इमरान खान प्रधानमंत्री होते तब वह जरूर हमें बुलाते। पाकिस्तानी पत्रकार ने जब कुछ लोगों से इस बारे में पूछा तब उनका जवाब सुनकर आपको हंसी आएगी। उन्होंने कहा कि जी-20 से कोई फर्क नहीं पड़ता, हमने लंबी तैयारियां की हुई हैं। एक समय भारत पाकिस्तान का हिस्सा होगा। हम गजवा ए हिंद करने वाले हैं।

सना अमजद ने कुछ बुद्धिजीवी लोगों से बात की तब उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आइसोलेट होकर रह गया है। इसके साथ उन्होंने उम्मीद जताई कि जी-20 देश जब एक साथ बैठे हैं तब वह भविष्य में दुनिया की अर्थव्यवस्था को बेहतर करने से जुड़ा कोई प्लान निकालेगा। कुछ लोगों ने कहा कि पाकिस्तान अगर अपने अंदरूनी मामले जैसे सुरक्षा और आतंकवाद को हल नहीं करेगा तब तक कोई बड़ी कंपनी पाकिस्तान नहीं आएगी और कभी भी पाकिस्तान में जी-20 का हिस्सा नहीं बन पाएगा।

उत्तर कोरिया ने मनाया स्थापना दिवस, किम जोंग-उन अर्धसैनिक परेड में हुए शामिल

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने अपने शासन के स्थापना दिवस की 75वीं वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर शनिवार को प्योंगयांग में अर्धसैनिक परेड का आयोजन किया। जिसमें नेता किम जोंग-उन भी मौजूद रहे। सरकारी मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर कोरिया में किम ने स्थापना की सालगिरह का जश्न मनाने के लिए किम इल सुंग स्क्वायर पर शानदार तरीके से आयोजित सैन्य परेड का अवलोकन किया। हालांकि किम ने उस कार्यक्रम में भाषण नहीं दिया, जिसमें उनकी बेटी भी शामिल हुई थी, जिसका नाम जू-ए बताया जा रहा है। बताया गया कि वाइस प्रीमियर लियू गुओझोंग के नेतृत्व में एक चीनी प्रतिनिधिमंडल और रूसी सेना के गीत और नृत्य समूह के सदस्य भी मौजूद थे। हालांकि रूस ने इस बार अलग से प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजा! रात के समय होने वाला यह आयोजन इस साल अकेले उत्तर कोरिया द्वारा आयोजित तीसरी सैन्य परेड का प्रतीक है। यह परेड उन अटकलों के बीच हुई कि किम संभावित हथियार सौदे पर चर्चा करने के लिए अगले सप्ताह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए व्लादिवोस्तोक की यात्रा कर सकते हैं।

रूस की उनकी संभावित यात्रा की एक रिपोर्ट में अटकलें लगाई गई हैं कि उत्तर कोरिया रूस से हथियारों से संबंधित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बदले में यूक्रेन के साथ मास्को के युद्ध में उपयोग के लिए तोपखाने के गोले और अन्य गोला-बारूद प्रदान कर सकता है। नवीनतम अर्धसैनिक परेड में उच्च गतिशीलता वाली मोटरसाइकिलों के काफिले और ट्रैक्टरों द्वारा खींचे गए एंटी-टैंक मिसाइल लांचर शामिल थे। परेड का नेतृत्व ज्यादातर वर्कर-पीजेंट रेड गार्ड्स ने किया, जो उत्तर में एक नागरिक रक्षा संगठन है, इसमें लगभग 5.7 मिलियन श्रमिक और किसान शामिल हैं। उत्तर कोरिया के लिए पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेताओं ने वर्षगांठ के अवसर पर किम को बधाई संदेश भेजे हैं।

महाराष्ट्र में चलती मालगाड़ी के 25 डिब्बे पटरी से उतरे, दो घंटे तक ट्रेन सेवा रही बाधित

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती के धामनगांव में चलती मालगाड़ी के 25 डिब्बे अचानक पटरी से उतर गए. घटना धामनगांव रेलवे स्टेशन के पास की है. इसके कारण दो घंटे तक रेल सेवा बाधित रही. इसका असर कुछ ट्रेनों पर पड़ा. मिली जानकारी के मुताबिक, अमरावती के धामनगांव में एक मालगाड़ी के 25 डिब्बे पटरी से उतर गए. बताया जा रहा है कि मालगाड़ी की कपलिंग (दो डिब्बों को जोड़ने वाली कपलिंग) टूटने से 25 डिब्बे पटरी से उतरे. मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरने के कारण करीब दो घंटे तक रेल सेवा बंद रही. जैसे ही रेलवे प्रशासन को इसकी जानकारी मिली, इन पटरी से उतरे डिब्बों को तुरंत धामनगांव रेलवे स्टेशन पर स्थानांतरित कर दिया गया. इसके बाद रेल सेवा सामान्य हो गयी. लेकिन इसके चलते ट्रेनों का परिचालन करीब 2 घंटे तक बाधित रहा. कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों को अमरावती से पीछे स्टेशनों पर रोक दिया गया। इससे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी.

यात्रियों की सुरक्षा के लिए हाईटेक बोगी की तैयारी, धुआं उठते ही गिरेंगी पानी की बौछारें

गोरखपुर। अब ट्रेन की बोगियों में यदि धुआं उठा तो बिना बटन दबाए ही पानी की बौछारें शुरु हो जाएंगी। इस समय देश की ट्रेनों में बोगियों को हाईटेक बनाने का काम शुरू हो गया है। रेल यात्रियों की सुरक्षा का पूरा ध्यान दिया जा रहा है, ताकि यात्रियों को किसी तरह की दिक्कत ना हो और उनको पूरी तरह सुरक्षित रखा जाए। अब रेलवे द्वारा कोचों में लगे फायर एंड स्मोक डिटेक्शन सिप्रेशन सिस्टम को चालू करने के लिए बटन नहीं दबाना होगा। इसे अब और भी हाईटेक तरीके से कोचों में लगाया जाएगा। ताकि धुआं उठते ही यह खुद-ब-खुद पानी की बौछार करने लगे और किसी भी बड़ी दुर्घटना को रोका जा सके। बीते दिनों ट्रेन में कई बड़े हादसे देखे गए जहां आग लगने की वजह से कई लोगों की जान चली गई और बड़ा नुकसान हुआ। इसके लिए ट्रेनों में फायर एंड स्मोक डिटेक्शन सिप्रेशन सिस्टम लगा हुआ है। लेकिन पहले इसे बटन दबाकर चालू करना पड़ता है। लेकिन अब ऑटोमेटिक फायर एंड स्मोक डिटेक्शन सिप्रेशन सिस्टम लगाए जाएंगे। जिन ट्रेनों या कोचों में फायर एंड स्मोक डिटेक्शन सिप्रेशन सिस्टम लगे हुए हैं, उन्हें अब ऑटोमेटिक सिस्टम में बदल जाएगा। ताकि ट्रेनों में धुआं उठता देख यह ऑटोमेटिक सिस्टम खुद पानी की बौछार करने लगे। इसके लिए गोरखपुर यांत्रिक कारखाने में करीब 23 पैंट्रीकार व पावरकार में लगे सिस्टम भी मॉडिफाई किए जाएंगे। जिसके लिए रेलवे बोर्ड ने निर्देश भी दे दिए हैं। वहीं पावरकार, पैंट्रीकार और लिंकहाफमैन बुश एलएचबी कोचों में भी ऑटोमेटिक पावर एंड स्मोक डिटेक्शन सिप्रेशन सिस्टम लगाए जा रहे हैं। ऑटोमेटिक फायर डिटेक्शन एंड सिप्रेशन सिस्टम के तहत सेंसर व प्रेशर युक्त अग्निशमन यंत्र के साथ दो सिलेंडर और पाइप लगाए जाते हैं। एक में पानी और दूसरे में नाइट्रोजन रहता है। जैसे ही धुआं चिंगारी निकलती है अलार्म बजने के साथ दोनों सिलेंडर एक्टिव हो जाते हैं। कुछ देर बाद नाइट्रोजन और पानी का मिश्रण पाइपों से निकलने लगता है।

मां से दुष्कर्म के दोषी युवक को दिया आजीवन कारावास

अगरतला। त्रिपुरा में सिपाहीजला जिले के विशालगढ़ की सत्र अदालत ने एक युवक को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। बता दें कि युवक ने पिछले वर्ष दो मई को नशे की हालत में अपनी मां के साथ दुष्कर्म किया था। इस पर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बिशाल गौर ने तकरजला निवासी अजॉय देबबर्मा (24) को इस अपराध के लिए दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के मुताबिक अजय ने अपनी मां के साथ उस समय दुष्कर्म किया, जब वह घर में अकेली थी। पुलिस ने अदालत को बताया कि अपराधी ने एक स्थानीय उत्सव में शराब पी और अपनी मां का गला दबाते हुए उसे धमकी दी कि अगर उसने उसके साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाए तो वह उसे मार डालेगा। दुष्कर्म के बाद वह भाग निकला। तीन दिन बाद पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी। पुलिस ने तुरंत उसे गिरफ्तार कर लिया और अतिरिक्त लोक अभियोजक गौतम गिरि की अदालत ने इस घटना को असाधारण अपराधों में से एक मानते हुए उसकी हिरासत में सुनवाई की अनुमति दे दी। मामले की विस्तृत जांच की गई, ठोस साक्ष्य और 20 गवाहों की गवाही दर्ज हुई।

पुलिस- उपद्रवियों में झड़प के बाद दो की मौत, एक सेना अधिकारी सहित 85 घायल

इम्फाल। मणिपुर में शुक्रवार को हुई झड़पों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक सेना के अधिकारी सहित 85 लोग घायल हो गए। इनमें कुछ पुलिसकर्मी भी हैं। मिली जानकारी के अनुसार ये झड़पें काकचिंग जिले के पल्लेल में एक विशेष समुदाय के हथियारबंद बदमाशों के हमले के बाद हुईं। पुलिस ने कहा कि तेंग्नौपाल जिले के पल्लेल के पास मोलनोई गांव में सुरक्षा बलों और कुछ सशस्त्र उपद्रवियों के बीच झड़पें हुईं, जिन्होंने गांव में आगजनी और हिंसा का फैलाने का प्रयास किया। तीव्र झड़पें शुरू होने के कारण सुरक्षाकर्मियों की गोलीबारी में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। इस दौरान सेना का एक अधिकारी घायल हो गया और उसे इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से सैन्य अस्पताल ले जाया गया। झड़प में मणिपुर पुलिस के तीन अन्य जवान भी घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि सुरक्षाकर्मियों ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आत्मरक्षा में गोलीबारी की जिसमें दो नागरिकों की मौत हो गई और बड़ी संख्या में लोग गोली लगने से घायल हो गए। घायल हुए 80 से अधिक लोगों का इंफाल, काकचिंग और थौबल अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इस बीच, मणिपुर इंटीग्रिटी पर समन्वय समिति के प्रवक्ता अथौबा ने एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि दो अलग-अलग स्थानों पर मैतेई गांव के स्वयंसेवकों और कुकी हथियारबंद व्यक्तियों के बीच झड़पें हुईं। दो मैतेई की मौत हो गई और इम्फाल पश्चिम के कौट्रुक में एक दस वर्षीय मैतेई लड़की को गोली मार दी गई।

ऑटो विस्फोटक लेकर प्रगति मैदान जा रहा है, एक ट्वीट से दिल्ली पुलिस में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। दिल्ली आउटर नॉर्थ जिले की पुलिस में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक शख्स ने जिले के डीसीपी को टैग करते हुए एक ट्वीट किया कि एक ऑटो गन और विस्फोटक लेकर प्रगति मैदान की तरफ जा रहा है। उसने ट्वीट में ऑटो का नंबर में लिखा था लेकिन पुलिस ने जब इस पूरे मामले की छानबीन की तो कहानी कुछ और ही निकली। पुलिस ने आरोपी शख्स को हिरासत में ले लिया है। अब उससे पूछताछ की जा रही है। दरअसल, आरोपी का नाम कुलदीप शाह है। उसने एक ऑटो नंबर के साथ डीसीपी आउटर नॉर्थ को टैग करके एक ट्वीट किया कि एक ऑटो जिसका नंबर ये है, यह ऑटो गन और एक्सप्लोसिव लेकर प्रगति मैदान की तरफ जा रहा है। चूंकि प्रगति मैदान में जी20 शिखर सम्मेलन चल रहा है, तो पुलिस इस ट्वीट के बाद फौरन हरकत में आ गई। ट्वीट के आधार पर दिल्ली पुलिस ने उस ऑटो की तलाश की, जिसके नंबर का ट्वीट में जिक्र किया गया था। पुलिस ने कुछ देर में ही उस ऑटो का पता लगा लिया और ऑटो मालिक के घर जा पहुंची। जब पुलिस वहां पहुंची तो देखा कि वो ऑटो तो घर पर ही खड़ा है। आगे की छानबीन में पुलिस को पता चला कि ऑटो चलाने वाला कपड़े की सप्लाई करता है और शिकायती ट्वीट जानबूझकर आपसी रंजिश की वजह से ऑटो मालिक को फंसाने की नीयत से किया गया था। जांच में ये भी पता चला कि ऑटो मालिक और आरोपी के बीच पार्किंग को लेकर विवाद है। इसके बाद पुलिस को पूरा मामला समझते देर नहीं लगी। दिल्ली पुलिस का कहना है कि आरोपी कुलदीप ने निजी रंजिश के चक्कर में दिल्ली पुलिस को गलत जानकारी भेजी और उसने जी20 से जुड़ी गलत जानकारी दी है। इसलिए आरोपी कुलदीप के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सीमा सुरक्षा बल का जवान चौकी से लापता, सेना तलाशी में जुटी

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल का एक कांस्टेबल पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास अपनी चौकी से लापता हो गया है। अधिकारियों की ओर से इसकी जानकारी दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक बिहार का रहने वाला कांस्टेबल बालाकोट सेक्टर में भरणी फॉरवर्ड पोस्ट पर सामान्य ड्यूटी पर था, जब वह शुक्रवार को

केन्द्र के समान डीए की मांग कर रहे हैं पश्चिम बंगाल के सरकारी कर्मचारी

-मंत्रियों, विधायकों की वेतन वृद्धि को बनाया मुख्य एजेंडा, अपनी मांगों पर कायम

कोलकाता(एजेंसी)। केन्द्र के समान वेतन की मांग करते हुए पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार के कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारी केंद्र सरकार के समकक्षों के बराबर महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाने और उस पर मिलने वाले बकाये की भी मांग कर रहे हैं। उन्होंने अपनी मांगों पर दबाव डालने के लिए राज्य सरकार के मंत्रियों और विधायकों के वेतन में 40,000 रुपये प्रति माह बढ़ोतरी को मुख्य एजेंडा बनाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को सभी मंत्रियों और विधायकों के वेतन में 40,000 रुपये प्रति माह की भारी बढ़ोतरी की घोषणा की। इसके बाद विधायकों को वेतन, भत्ते सहित मिलने वाला मासिक भुगतान मौजूदा 81,000 रुपये से बढ़कर 1.21 लाख रुपये हो जाएगा। जबकि मंत्रियों को मिलने वाला मासिक भुगतान मौजूदा 1.10 लाख रुपये से बढ़कर 1.50 लाख रुपये हो जाएगा। डीए मुद्दे पर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राज्य सरकार के कर्मचारियों के संयुक्त मंच के संयोजक भास्कर घोष ने कहा कि जहां राज्य सरकार फिजूलखर्ची और टालने योग्य खर्चों के पीछे करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, मगर राज्य सरकार के कर्मचारियों को उनके वैध बकाये से वंचित कर रही है।

कर्मचारियों ने कहा कि राज्य सरकार के पास मंत्रियों और विधायकों के वेतन में इतनी भारी बढ़ोतरी के लिए पर्याप्त पैसा है, लेकिन हमारे डीए का भुगतान करने के लिए उसके पास पर्याप्त पैसा नहीं है। हम आने वाले दिनों में बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे, जिसमें काम बंद करना भी शामिल होगा और मंत्रियों और विधायकों के वेतन वृद्धि का मुद्दा हमारा प्रमुख एजेंडा होगा। आगामी आंदोलन कार्यक्रम में 10 सितंबर को सभी जिलों में पुलिस स्टेशनों का घेराव, 18 सितंबर को सभी खंड विकास कार्यालयों के सामने रैली, 24 सितंबर को राजभवन तक मार्च और 10 अक्टूबर और 11 अक्टूबर को दो दिवसीय काम बंद करना शामिल है।

इधर पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि भाजपा के विधायक इस बढ़े हुए वेतन को अस्वीकार कर देंगे। मुख्यमंत्री की घोषणा के तुरंत बाद अधिकारी ने कहा था कि हम इस बढ़े हुए वेतन को पाने के खिलाफ हैं। हमारी विधायी टीम ने राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से मुलाकात की है और उनसे गुरुवार को सदन में पारित मंत्रियों और विधायकों के वेतन वृद्धि के प्रस्ताव पर सहमति नहीं देने का अनुरोध किया है।

इंडिया गठबंधन बेहद शक्तिशाली उपचुनाव में चार सीटें जीती : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इंडिया गठबंधन बेहद शक्तिशाली है, इसकारण उन्होंने 6 राज्यों में हुए उपचुनावों में सात में से चार सीटें जीतीं। केजरीवाल ने पोस्ट किया, इंडिया गठबंधन बहुत शक्तिशाली है। इसकारण भाजपा चिंतित हैं। इसलिए देश का नाम बदलना चाहती हैं। केजरीवाल ने कहा था कि देश का नाम बदलना देश के साथ धोखा है। केजरीवाल ने कहा, ये देश के साथ गद्दारी है। उन्होंने इंडिया गठबंधन के कारण ही एक राष्ट्र एक चुनाव का प्रस्ताव भी पेश किया है। वे हर छह महीने में जनता का सामना नहीं करना चाहते, इसलिए एक देश एक चुनाव की वकालत करते हैं। यदि अवधारणा स्वीकार कर ली जाती है, तब मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि वे 5,000 रुपये में सिलेंडर बिकेगा।

भारत द्वारा जी20 की अध्यक्षता अंतरिक्ष में देश के गौरव के साथ मेल खाती है: मंत्री जितेंद्र सिंह

Y20
G20
UNIVERSITY OF JAMMU, JAMMU
YOUTH 20 CONSULTATION MEET
in collaboration with
Peace-buildi... Reconciliation:
Ushering ... of No War
ONE EARTH • ONE FAMILY

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की जी20 की अध्यक्षता अंतरिक्ष में देश के गौरव के साथ मेल खाती है। मंत्री ने कहा, 'जी20 शिखर सम्मेलन भारत में ऐसे समय में हो रहा है जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे बड़े नेता के रूप में उभरे हैं। शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब भारत का झंडा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लहरा रहा है, पहली बार कोई अंतरिक्ष यान चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उतरा है, तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी में देश की उपलब्धियां, जिसमें अग्रणी अनुसंधान एवं विकास की सफलता की कहानी भी शामिल है। दुनिया भर में कोविड टीकों की सराहना की जा रही है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन की थीम वसुधैवकुटुम्बकम् की भावना के अनुरूप, दुनिया आज प्रधानमंत्री नरे?द्र मोदी के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के मंत्र को स्वीकार करती है।

एक साक्षात्कार में डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत कई मायनों में दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र सहित भविष्य के किसी भी विज्ञान प्रयास के लिए दुनिया के सभी हितधारक देशों को एक साथ आने की आवश्यकता होगी। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, 'अगर हमें इससे आगे जाना है, तो हमें सामूहिक रूप से आगे बढ़ना होगा, क्योंकि हम वैश्विक दुनिया का हिस्सा हैं। इसलिए आगे कोई भी विकास बहुत अधिक विस्तारित एकीकरण में होना चाहिए। यहां से विकास की मुख्य विशेषता यह होगी कि यह काफी हद तक प्रौद्योगिकी संचालित होगा।'

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, नासा चंद्रमा पर उतरने वाला पहला संस्थान हो सकता है, लेकिन यह भारत का चंद्रयान-1 था जिसने संभावित साक्ष्य जुटाए। चंद्रमा पर पानी के अणु और अब चंद्रयान-3 पहली बार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा है। उन्होंने कहा, 'चंद्रयान को दुनिया भर के पूरे वैज्ञानिक समुदाय द्वारा देखा जा रहा है क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि वहां से कुछ नए निष्कर्ष एकत्र किए जाएंगे, जिनमें से अधिकांश चंद्रयान-3 से हैं क्योंकि यह एक अछूते क्षेत्र में चला गया है, तो जाहिर है, वहां से आने वाले इनपुट, निष्कर्ष अन्य सभी अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ-साथ उनकी भविष्य की परियोजनाओं और योजना के लिए भी उपयोगी होंगे।'

सनातन धर्म पर हमला करना एक 'फैशन' बन गया, नकवी ने ऐसे लोगों को मानसिक उपचार की दी नसीहत

बेंगलुरु (एजेंसी)। सनातन धर्म पर द्रमुक नेताओं की टिप्पणियों पर हमला बोलते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि 'सनातन धर्म' पर हमला करना 'निराश बिरादरी' के लिए एक 'फैशन' बन गया है, लेकिन उनका 'दिवालियापन' उल्टा पड़ेगा। यहां भाजपा के राष्ट्रव्यापी 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान में भाग लेते हुए नकवी ने कहा कि 'सनातन धर्म' भारत की आत्मा है और जो लोग उस आत्मा पर हमला करने की कोशिश कर रहे हैं, वे नष्ट हो जाएंगे।

नकवी के कार्यालय से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया कि अगर कोई पृथ्वी पर सबसे पुराने विश्वास सनातन धर्म पर हमला करता है, तो यह उनकी मानसिक बीमारी को दर्शाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'सनातन धर्म' पर हमला करना 'कुंठित बिरादरी' के लिए एक 'फैशन' बन गया है, लेकिन 'सनातन को कोसने वाली ब्रिगेड' का 'निंदनीय दिवालियापन' उल्टा पड़ेगा। नकवी ने कहा कि भारत ने सैकड़ों विदेशी आक्रमण देखे हैं, जिन्होंने न केवल संसाधनों को लूटा बल्कि सनातन मूल्यों और भारतीय संस्कृति और पहचान पर भी हमला किया।

उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रमणकारी भारत के विशाल संसाधनों को लूटने में सफल रहे लेकिन इस महान देश की संस्कृति और सनातन मूल्यों को नष्ट करने के अपने नापाक मंसूबों में सफल नहीं हो सके। नकवी ने कहा कि सनातन संस्कृति पर चल रहा सांप्रदायिक और आपराधिक हमला संयोग से नहीं, बल्कि पसंद से है। उन्होंने कहा, 'भारतीय संस्कृति और मूल्यों के खिलाफ ऐसे किसी भी जानबूझकर किए गए डिजाइन को हराने के लिए मिलकर काम करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है।

आईआईटी दिल्ली में जातिगत भेदभाव पर आधारित सर्वे किया स्थगित

नई दिल्ली। आईआईटी-दिल्ली में जा?तिगत भेदभाव पर आधारित सर्वे स्थगित कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार अनुसूचित जाति (एससी) के दो छात्रों की आत्महत्या के बाद जातिगत भेदभाव पर किए जाने वाले एक सर्वे की तैयारी थी, जिसे दो घंटे बाद वापस ले लिया गया। इस सप्ताह की शुरुआत में बोर्ड फॉर स्टूडेंट पब्लिकेशन्स (बीएसपी) की तरफ से यह सर्वे किया जाना था। सर्वे में असंवेदनशील प्रश्न होने का हवाला देते हुए इसे निलंबित कर दिया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कैंपस में कई छात्रों की मानें तो सर्वे में अप्रासंगिक और असंवेदनशील प्रश्न थे। सर्वे के सवालों में छात्रों की वार्षिक पारिवारिक आय, ग्रामीण या शहरी पृष्ठभूमि, प्रवेश का वर्ष, लिंग और प्राप्त की जा रही डिग्री के बारे में थे। सर्वेक्षण में एक प्रश्न में कहा गया है, मान लीजिए कि आप अपने हॉस्टल के कॉमन रूम में अपने साथियों के साथ घूम रहे हैं, कोई व्यक्ति रिजर्व कैटेगरी के एक व्यक्ति के लिए टिप्पणी करता है। इस पर आपके और आपके ग्रुप की क्या प्रतिक्रिया होगी?

घोसी की हार से बीजेपी के लिए 2024 का चुनाव नहीं होगा असान

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के घोसी सीट पर हुए उपचुनाव में हार के बाद बीजेपी को 2024 में आगामी चुनाव आसान नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि बीजेपी को उम्मीद थी कि वह इस बार चाहे कुछ भी हो घोसी सीट को जीत ही लेगी। क्योंकि बीजेपी के पास ओमप्रकाश राजभर हैं। बीजेपी को भरोसा था कि समाजवादी पार्टी से आए दारा सिंह चौहान वो कैंडिडेट हैं जिनकी बिरादरी घोसी में बड़ी तादाद में मौजूद है और वो जीत जाएंगे, लेकिन बीजेपी के दिग्गजों के जमावड़े के बावजूद समाजवादी पार्टी 42 हजार 2सौ से ज्यादा वोटों से ये उपचुनाव जीत गई। बीजेपी के सभी जातीय समीकरण धराशायी हो गए और समाजवादी पार्टी के सुधाकर सिंह ने घोसी में रिकार्ड मतों से जीत दर्ज कर ली। बीजेपी 86 हजार के अपने पुराने वोट संख्या तक भी नहीं पंहुच पाई। सपा की तरफ से ठाकुर कैंडिडेट होने के बावजूद अखिलेश यादव का पीडीए यानी कि पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक मुसलमान का समर्थन सुधाकर सिंह को मिला।

समाजवादी पार्टी ने बीजेपी के वोट बैंक में मजबूत सेंधमारी की, ठाकुर - भूमिहार -वैश्य- राजभर -निषाद और कुर्मी मतदाताओं से सपा ने अच्छे वोट खींच लिए लेकिन माना जा रहा है कि दलितों का एक बड़ा तबका समाजवादी पार्टी की तरफ शिफ्ट कर गया, खासकर युवाओं का वोट बीजेपी के खिलाफ रहा। जिसने समाजवादी पार्टी को निर्णायक बढ़त दी। दरअसल अखिलेश का पीडीए चल निकला और बीजेपी का अति आत्मविश्वास उसे ले डूबा, चुनाव में हार के बाद यह साफ हो गया कि भाजपा के कोर वोटर ने भी उससे दूरी बना ली थी, खासकर स्वर्ण मतदाताओं का बड़ा तबका समाजवादी पार्टी के साथ चला गया।

अपनी गिरफ्तार पर बोले नायडू, कुछ गलत नहीं किया न्याय की जीत होगी

विजयवाड़ा (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में शनिवार सुबह एक नाटकीय घटनाक्रम के बीच भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि उन्होंने कोई गलती नहीं की है और न्याय की जीत होगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक श्री नायडू को पुलिस ने शनिवार तड़के नंदयाल में गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि सुबह करीब तीन बजे पुलिस उपमहानिरीक्षक (अनंतपुर) रघुरामी रेड्डी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल आरके फंक्शन हॉल में पहुंचा, जहां श्री नायडू अपनी बस में सो रहे थे। पुलिस ने बस को घेरकर उन्हें जगाना चाहा। इस दौरान बड़ी संख्या में तेदेपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पुलिस कार्रवाई पर आपत्ति जताकर गिरफ्तारी के लिए नोटिस या संबंधित दस्तावेज दिखाने की मांग की। पार्टी नेताओं को उनके वकीलों ने तर्क दिया कि श्री नायडू एसपीजी सुरक्षा में हैं, और उन्हें तड़के कैसे गिरफ्तार किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि श्री नायडू सुबह करीब पांच बजे बस से बाहर आए और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तारी के बारे में बताया। गिरफ्तारी के लिए नोटिस दिखाने को कहे जाने पर बाद में पुलिस ने प्राथमिकी की प्रति दी जिसमें उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस श्री नायडू को पूछताछ के लिए मंगलागिरी स्थित सीआईडी मुख्यालय ले गई।

इसके पहले श्री नायडू ने कहा कि उन्होंने कोई गलती नहीं की है और आखिरकार न्याय की जीत होगी। उन्होंने कहा, मैं जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार के कुशासन के खिलाफ लड़ रहा हूं। सरकार मेरी आवाज दबाना चाहती है। मैं सभी तेदेपा कैडरों से संयम बनाए रखने की अपील करता हूं। पुलिस ने इसी मामले में तेदेपा विधायक एवं पूर्व मंत्री गंता श्रीनिवास राव को भी गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही ऐहतियात के तौर पर प्रदेश भर में बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं को उनके घरों से हिरासत में लिया गया है। इस बीच आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने ऐहतियात के तौर पर प्रदेश भर में बस सेवाएं रद्द कर दी हैं।

जी-20 समिट पर दिल्ली का मौसम भी मेहमानों का कर रहा स्वागत

- मौसम विभाग का अनुमान, देश के कई राज्यों में हो सकती है भारी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जी-20 के ऐतिहासिक मौके का गवाह बनने जा रहा है और इस मौके पर दिल्ली का मौसम भी मेहमानों का स्वागत कर रहा है, दिल्ली में कल शाम से ही हल्की बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम की मानें तो उत्तर पूर्वी भारत के हिस्सों में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश हो सकती है। गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश होगी। शुक्रवार 09 सितंबर को देश की राजधानी नई दिल्ली में जी-20 समिट का पहला दिन है। आज बारिश, हवा और फिर लोगों को उमस वाली गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग की मानें तो उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 25 डिग्री और साफ रहेगा. वहीं शाम होते होते आसमान में बादलों का डेरा हो सकता है।

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 9 सितंबर को यूपी के सेंट्रल एरिया और पूर्वी भाग में चमक और गरज के साथ भारी बारिश होगी। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट की मानें तो आज उत्तरी कोंकण और गोवा और दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। वहीं छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, विदर्भ, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड,

WELCOME
G20 INDIA
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTU

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी बिल्डिंग में डेटा एंट्री के काम के नाम पर एक कॉल सेंटर पर पैसे वसूलते पकड़ा

क्रांति समय
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सलाबतपुरा पीआई बीआर रबारी, दूसरे पीआई एसए शाह और निगरानी कर्मचारियों द्वारा प्राप्त एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पिछले बुधवार शाम को ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी बिल्डिंग, रिंग रोड उधना दरवाजा की चौथी मंजिल पर प्रिवेंट एंटरप्राइजेज के कार्यालय पर छापा मारा। घर से काम करने के इच्छुक लोगों को उच्च मुआवजे का लालच दिया गया और ऑनलाइन डेटा एंट्री का काम दिया गया और कॉल सेंटर से पैसे ऐंठने के लिए मामला दर्ज करने की धमकी दी गई। एक साधारण कीपैड फोन, एक लैपटॉप, 4250 रुपये नकद, पांच एटीएम कार्ड आदि। पाए गए और कुल 2,55,450 रुपए जब्त किए गए।

प्रिवेंट एंटरप्राइज लोगों को घर से ऑनलाइन डाटा एंट्री का जॉबवर्क देकर अनुबंध तोड़ने पर 5880,90 रुपये वसूलता था और ऑनलाइन डाटा एंट्री के जॉब वर्क के बदले अच्छा मुआवजा देने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर घोषणा करता था और क्वेकर मार्केट प्लेस से ग्राहकों का मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी निकालकर कॉल सेंटर से उनसे संपर्क करता था। इसमें रजिस्टर्ड होने के बाद ग्राहक डेटा एंट्री के काम में 80% एक्यूरेसी होने पर ही पैसे देता था और 85% से 5880% से नीचे एक्यूरेसी होने पर ग्राहक कॉन्ट्रैक्ट तोड़ने पर कंपनी को 100 रुपये देने का कॉन्ट्रैक्ट देता था।

पुलिस को वहां से एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड फॉर्म, केवाईसी फॉर्म और राठौड़ एंड संस के नाम से एक लेमिनेटेड वितरण प्राधिकरण पत्र भी मिला।

पुलिस जांच में पता चला कि यह कॉल सेंटर पिछले डेढ़ साल था।

किसे गिरफ्तार किया गया

(1)प्रशासक दानिश सलीमभाई शाह (यू.डब्ल्यू.23, निवास.घर.नं.102,शिवगिरी अपार्टमेंट, माचिसवाला मार्केट के पास, चौकबाजार, सूरत)

(2) दानिश का सागरित कामिल मोहम्मद रफीक शेख (यू.डब्ल्यू. 21, मकान नंबर. 403, पाल कॉम्प्लेक्स, ख्वाजा दाना रोड के पास, मोमनावाद, अठवा, सूरत)

(3) अरशद अल्ताफभाई रफत (यू.डब्ल्यू. 22, हाउस नंबर 4/4871, भटियारा महोल्ला, झंपाबाजार के पास, महिधरपुरा, सूरत)

(4) साकिर आसिफ खान पठान (यू.डब्ल्यू. 22, रेस. रूम नंबर 5, खलानी चाली, गुलजारनगर, उन गांव झील के पास, उन पाटिया, सूरत)

(5) साकिर की पत्नी सानिया (यू.वी.19)

(6) इमरान अब्दुल गफ्फार मनियार (उम्र 19,निवासी मकान नंबर 215-216, अंबर कॉलोनी के पास, हरिनगर, उधना, सूरत)

(7)साहिल सलीमभाई नारियाली (उम्र 20, निवासी धोबी स्ट्रीट, पाल कॉम्प्लेक्स के सामने, ख्वाजा) दाना रोड, मोमनावाद, अठवा, सूरत)

विदेश में पैसा कमाने गए इकलौते बेटे की मौत, विधवा माता के पास बेटे का शव लाने का पैसा नहीं

क्रांति समय
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद,गांधीनगर के कलोल से विदेश में नौकरी करने गए युवक की मौत हो गई। युवक अपनी विधवा मां का इकलौता बेटा था। अब माता अपने बेटे का चेहरा भी अंतिम बार नहीं देख पाएगी। उसके पास इतने पैसे नहीं है कि वह अपने बेटे को मृतदेह भारत ला सके। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर के कलोल में रहनेवाले कश्यप शुक्ला विदेश में कमाने जाना चाहता था और उसके लिए थाईलैंड के एक एजंट मनीष सोनी का संपर्क किया। मनीष सोनी ने उसे थाईलैंड में नौकली दिलाने की लालच दी और कश्यप शुक्ला थाईलैंड पहुंच गया। कुछ समय तक थाईलैंड की एक होटल में नौकरी की और उसके बाद वापस कलोल आ गया। उसके बाद एजंट द्वारा अफ्रीका में नौकरी की लालच देने पर कश्यप शुक्ला वहां जाने को तैयार हो गया। हांलाकि परिवार ने कश्यप को कहते हुए अफ्रीका जाने से रोकने का प्रयास किया कि वह देश आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है। लेकिन कश्यप माना नहीं और जून 2023 वह अफ्रीका पहुंच गया। अफ्रीका पहुंचने के बाद तबियत बिगड़ने पर कश्यप भारत लौटना चाहता था। लेकिन रुपए नहीं होने की वजह भारत लौट नहीं पाया। इस पर भारत स्थित उसके रिश्तेदारों ने रुपयों का इंतजाम कर दिया, जिससे उसने टिकट खरीद लिया। 1 अगस्त को भारत लौटने के लिए कश्यप अफ्रीका के एयरपोर्ट पर पहुंच गया। लेकिन तबियत ठीक नहीं होने की वजह से एयरपोर्ट ऑथोरिटी ने कश्यप को भारत जाने से रोक दिया और वहां के अस्पताल में भर्ती करा दिया। अफ्रीका में कश्यप के उपचार का खर्चा भारत स्थित उसकी माता से मांगा जाता। लेकिन विधवा माता के पास इतने पैसे नहीं थे। पैसों के अभाव में दो-तीन दिन के उपचार के दौरान कश्यप शुक्ला मौत हो गई। बेटे की मौत की खबर माता के लिए किसी वज्राघात से कम नहीं थी। उससे बड़ा संकट यह था कि माता अपने इकलौते बेटे का आखिरीबार मुंह भी नहीं देख पाएगी। क्योंकि उसके पास बेटे कश्यप का मृतदेह भारत लाने के लिए पैसा भी नहीं है।

सनातन धर्म विवाद को लेकर अहमदाबाद पुलिस आयुक्तको अर्जी,एफआईआर दर्ज करने की मांग

क्रांति समय

अहमदाबाद,तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और उनकी सरकार में मंत्री उदयनिधि मारन द्वारा सनातन धर्म को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर देशभर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। इस मामले को लेकर देश के कई राज्यों में उदयनिधि मारन के खिलाफ एफआईआर दर्जकी जा चुकी है। अब यह विवाद अहमदाबाद भी पहुंच गया और शहर पुलिस आयुक्त को एक अर्जी देकर उदयनिधि के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। यह अर्जी गुजरात हाईकोर्ट के वकील भाविक समान ने अहमदाबाद पुलिस आयुक्त से की है। जिसमें सनातन धर्म को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि मारन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। अर्जी में वैमनस्यता और हिंसा भड़काने वाले उदयनिधि के बयान से सनातन धर्म के प्रति आस्था रखने वाले लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। भाविक ने पुलिस आयुक्त को दी लिखित शिकायत में यह भी कहा है कि अगर इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं की गई तो न्यायिक विकल्प के मुताबिक आगे की कार्यवाही की जाएगी। गौरतलब है उदयनिधि मारन ने सनातन निर्मूलन परिषद में कहा था कि 'सनातन का विरोध करने के बजाए उसका उन्मून करना होगा। हम डेंगू, मलेरिया या कोरोना का विरोध नहीं कर सकते, बल्कि उसका सफाया करना पड़ता है। इसी प्रकार सनातन का भी समूल नाश करना होगा। सनातन और कुछ नहीं बल्कि समानता और सामाजिक न्याय के खिलाफ है। सनातन लोगों को जाति के आधार पर विभाजित करता है।'

अहमदाबाद-पुणे दुरंतों एक्सप्रेस में लगाया गया एक आरक्षित सामान्य श्रेणी कोच

क्रांति समय
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 12297/12298 अहमदाबाद-पुणे दुरंतों एक्सप्रेस में तत्काल प्रभाव से एक लगेजवान (एलडब्ल्यूआरआरएम) के स्थान पर गार्ड सह आरक्षित द्वितीय सामान्य श्रेणी (एलएसएलआरडी) का कोच जोड़ा गया जिसमें यात्री आरक्षित टिकट लेकर यात्रा कर सकते है। ट्रेन संख्याए 12297 द्वितीय सामान्य श्रेणी (एलएसएलआरडी) की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.Indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com